RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | hpshukla50@gmail.com | गुरूवार, 12 दिसंबर 2024 | वर्षः 02, अंकः 297 पृष्ठः 8, मूल्यः 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ढाकाः 'मिताली एक्सप्रेस' भारत लौटी

ढाका
बांग्लादेश की राजधानी ढाका और भारत के न्यू जलपाईगुड़ी को जोड़ने वाली मिताली एक्सप्रेस लगभग पांच महीने बाद भारत लौट गई। पश्चिम रेलवे के सूत्रों के अनुसार, कड़े सुरक्षा उपायों के बीच ट्रेन ने बुधवार सुबह चिल्हाटी-हल्दीबाड़ी सीमा के माध्यम से भारत में प्रवेश किया। इसे बांग्लादेश के रेल के इंजन की सहायता से भारत भेजा गया। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, यह ट्रेन (संख्या 13132/31) न्यू जलपाईगुड़ी से 17 जुलाई को ढाका पहुंची। बांग्लादेश में भेदभाव-विरोधी छात्र आंदोलन के कारण तब से ढाका में खड़ी रही। बदले हालात में अभी यह अनिश्चित है कि दोनों देशों के बीच इस ट्रेन सेवा का संचालन कब से शुरू होगा। दोनों देशों के बीच यह ट्रेन सेवा 57 वर्षों के अंतराल के बाद पहली जून, 2022 को शुरू की गई थी।चिल्हाटी स्टेशन मास्टर हैदर अली ने कहा कि हल्दीबाड़ी में डिब्बों को भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया गया और इंजन चिल्हाटी लौट आया।

सीरियाः फंसे 75 भारतीय नागरिकों की निकासी

नई दिल्ली
भारत सरकार ने सीरिया में हाल ही में हुए घटनाक्रम के बाद आज 75 भारतीय नागरिकों को वहां से निकाला। इनमें जम्मू और कश्मीर के 44 'जायरीन' शामिल थे, जो सैदा जैनब में फंसे हुए थे। सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित रूप से लेबनान पहुंच गए हैं और वे उपलब्ध वाणिज्यिक उड़ानों से भारत लौटेंगे।

अविश्वास प्रस्ताव के लिए सभापति जिम्मेदारः खरगे

लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए बहुत सोच-समझकर यह कदम उठायाः खरगे

नई दिल्ली
राज्यसभा के सभापति के खिलाफ इंडी गठबंधन (आईएनडीआईए) के अविश्वास प्रस्ताव पर कांग्रेस अध्यक्ष एवं सदन में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि सभापति ने देश की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने संसदीय लोकतंत्र के इतिहास में ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि हमें अविश्वास प्रस्ताव के लिए यह नोटिस लाना पड़ा। हमारी उनसे कोई व्यक्तिगत दुश्मनी या राजनीतिक लड़ाई नहीं है। हम देशवासियों को बताना चाहते हैं कि हमने लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए बहुत सोच-समझकर यह कदम उठाया है। कांस्टीट्यूशन क्लब में आज यहां आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में खरगे ने कहा कि उपराष्ट्रपति का पद दूसरे नंबर का सबसे उच्च संवैधानिक पद है। इस पद पर महाविद्वान डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डा. शंकर दयाल शर्मा, जस्टिस हिदायत उल्ला और केआर नारायणन समेत कई महान लोग रह चुके हैं। 1952 से अब तक किसी उपराष्ट्रपति के खिलाफ संविधान के आर्टिकल 67 के तहत इस तरह का अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया गया, क्योंकि वो हमेशा निष्पक्ष और राजनीति से परे रहे। केवल सदन चलाना और वो भी जो सदन के नियम कानून हैं, उसके तहत सदन चलाते रहे। आज हमें कहना पड़ता है कि सदन में रूल्स को छोड़कर राजनीति ज्यादा हो रही है। उन्होंने कहा कि पहले उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के तत्कालीन सभापति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 16 मई 1952 को सांसदों से कहा था कि मैं किसी भी पार्टी से नहीं हूं। इसका मतलब है कि मैं सदन में हर पार्टी से जुड़ा हूं। खरगे ने कहा कि हमें अफसोस है कि संविधान लागू होने के 75वें साल में उपराष्ट्रपति के खिलाफ विपक्ष को यह अविश्वास प्रस्ताव लाने पर मजबूर किया गया है।

उपराष्ट्रपति का आचरण पद की गरिमा के विपरीत रहाः खरगे

खरगे ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में उनका (उपराष्ट्रपति का) आचरण पद की गरिमा के विपरीत रहा है। उन्होंने सभापति पर विपक्षी सदस्यों के साथ पक्षपातपूर्ण बर्ताव करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सदन में कई प्रोफेसर, डॉक्टर, इंजीनियर और पत्रकार आदि इस सदन में आए हैं, जिनका 40-50 साल का राजनीतिक अनुभव रहा है। सभापति उनको हेडमास्टर की तरह लेक्चर सुनाते हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि सदन में विपक्ष की ओर से नियमानुसार जो विषय उठाए जाते हैं, सभापति उन पर वह नियोजित तरीके से स्वस्थ संवाद नहीं होने देते हैं। सदन अगर बाधित होता है तो उसका सबके बड़ा कारण सभापति हैं। दूसरों को वह सबक सिखाते हैं लेकिन बार-बार बाधा पहुंचाकर हाउस को बंद करने की कोशिश करते हैं। सामान्य तौर पर विपक्ष आसन से संरक्षण मांगता है लेकिन सदन में इसे अनसुना कर दिया जाता है।

सभापति के आचरण ने देश के संसदीय इतिहास में ऐसा वक्त ला दिया कि हमें यह नोटिस देना पड़ा है। देश के नागरिकों को हम विनम्रता से बताना चाहते हैं कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए यह कदम उठाया गया है।

इस मौके पर डीएमके सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि संसद में सत्ताधारी पार्टी द्वारा इस देश के लोकतंत्र पर एक जबरदस्त हमला किया जा रहा है और उन्हें सभापति द्वारा संरक्षण दिया जा रहा है, यह बहुत दुखद बात है। देश में जो कुछ चल रहा है, हमें बोलने की बिल्कुल भी अनुमति नहीं है। इसका मतलब यह है कि यह संसदीय लोकतंत्र और इस देश के लोकतंत्र पर एक आघात है। राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि यह किसी व्यक्ति के बारे में नहीं है बल्कि यह लोकतंत्र के मूल सिद्धांत की बहाली के बारे में है। यदि आपने पिछले दो दिनों की कार्यवाही देखी है तो कुछ लोगों ने, जिनका हम सम्मान करते हैं, जिस भाषा का इस्तेमाल किया है - यह न केवल पीड़ादायक है बल्कि हम यह भी सोचते हैं कि अगर आने वाले दिनों में सत्ता परिवर्तन होता है, तो क्या हम लोकतंत्र की मरम्मत और बहाली कर पाएंगे?

सदन में टीएमसी सांसद ने सिंधिया पर की विवादित टिप्पणी

नई दिल्ली
लोकसभा में बुधवार को टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर विवादित टिप्पणी की। इसे लेकर भाजपा सांसदों ने सदन में हंगामा किया। इसके चलते सदन की कार्रवाई दो बार कुछ देर के लिए स्थगित की गई। मगर भाजपा सांसदों के हंगामे के बाद कार्यवाही को अगले दिन तक के लिए स्थगित कर दिया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने टीएमसी सांसद की टिप्पणी को कार्यवाही से हटाने के निर्देश दिए हैं। उधर, भाजपा की महिला सांसदों ने केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू से मुलाकात करके टीएमसी सांसद की शिकायत की।

लोकसभा में बुधवार को आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2024 पर चर्चा चल रही थी। इस चर्चा में भाग लेते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद कल्याण बनर्जी ने केंद्र सरकार पर कोरोना महामारी के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार की मदद न करने का आरोप लगाया। उनकी बात का केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विरोध किया। इसे लेकर दोनों में तीखी नोंक-झोक होने लगी। बनर्जी ने सिंधिया के खिलाफ विवादित टिप्पणी की। इसके बाद भाजपा सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया तो सदन की कार्यवाही को दस मिनट के लिए स्थगित कर दिया। जब कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी। इस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह अपने खिलाफ किए गए हमले और भारत की महिलाओं के खिलाफ दिए गए बयान पर सांसद की माफी स्वीकार नहीं करेंगे।

सिंधिया ने कहा कि हम इस सदन में शुद्ध हृदय से देश के विकास की भावना के साथ आते हैं। हम यहां आत्म-सम्मान की भावना से भी आते हैं और यदि कोई भी आत्म-सम्मान पर निजी हमले करेगा तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा
सिंधिया ने कहा कि आप हमारी नीतियों, हमारे विचारों पर हमला कीजिए।

एंटी रोमियो टीम द्वारा चौराहा पर किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक, फतेहपुर के कुशल निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक के निकट

पर्यवेक्षण में आयोजित ह्लमिशन शक्तिह्व पंचम चरण व ऑपरेशन जागृति के तहत नारी सशक्तिकरण की कार्यवाही के अनुक्रम में समाज में नारी सुरक्षा व सम्मान एवं नारी स्वावलंबन हेतु जनपद के समस्त थानों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रो में महिला पुलिसकर्मी (शक्ति दीदी) व पुरूष पुलिसकर्मियों द्वारा शहरी एवं ग्रामीण अंचलों में जाकर भीड़-भाड़ वाले इलाकों, कस्बों, गांवों चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं को स्वयं की सुरक्षा हेतु विभिन्न पैतरों के साथ-साथ उ0प्र0 सरकार द्वारा जारी किये गये हेल्पलाइन नम्बरो 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076झमुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइ?, 102-स्वास्थ्य सेवा,1930- साइबर क्राइम तथा थानों पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण से संबंधित उ0प्र0 शासन की विभिन्न योजनाओं व प्राथमिकताओ के सम्बन्ध में भी जानकारी देते हुए जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किया गया । इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थानों की एन्टी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख चौराहो, पार्को एवं भीड-भाड वाले स्थानो के आस-पास चेकिंग कर मनचलों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के दृष्टिगत अभियान चलाया गया ।

डीएम एसपी ने जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति के सम्बन्ध में गोष्ठी आयोजित कर दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
बाराबंकी। बुधवार को लोक सभागार कलेक्ट्रेट, बाराबंकी में जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार एवं पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति सम्बन्धी गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी के दौरान सड़क

दुर्घटनाओं की रोकथाम, सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के सम्बन्ध में गहन समीक्षा कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उक्त गोष्ठी में क्षेत्राधिकारी नगर सुमित त्रिपाठी, यातायात प्रभारी बाराबंकी रामयतन यादव व यातायात सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

धान क्रय केन्द्रों पर पाये गए बिचौलियें के विरूद्ध होगी कठोर कार्यवाही

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा जनपद में चल रहीं धान खरीद में कृषकां की सुविधा के लिए किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोके जाने एवं लक्ष्य के अनुरूप खरीद में प्रगति लाये जाने के लिए क्रय केन्द्रों का सघन निरीक्षण कराने के निर्देश दिये गये थे।

इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) अरूण कुमार गोंड, जिला खाद्य विपणन अधिकारी सुधाशु शेखर चौबे एवं नायब तहसीलदार द्वारा अझुवा मण्डी एवं ओसा मण्डी के धान क्रय केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। अजुहा मण्डी में खाद्य विभाग के क्रय केन्द्र पर अभी तक तौल प्रारम्भ नही हुई थी, जबकि काफी संख्या में लोग एकत्र थे, जिस पर अपर जिलाधिकारी ने विपणन निरीक्षक को चेतावनी दी गयी कि धान की तौल कराते हुए भीड़ को समाप्त करें। उन्हांने कहा कि कृषक और क्रय केन्द्र के स्टॉफ के अतिरिक्त कोई भी अनधिकृत व्यक्ति केन्द्र पर उपस्थित न रहें। क्रय केन्द्र के चबूतरे पर क्रय किये गए धान की बोरियां भण्डारित थीं तथा सड़क पर खरीद की जा रहीं थी, जिस पर अपर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कडे.निर्देष दिये कि अविलम्ब धान का प्रेषण चावल मिलों पर किया जाये। ओसा मण्डी में संचालित यू0पी0एस0एस0 के क्रय केन्द्र को छोड़कर खाद्य विभाग के 02 तथा मण्डी समिति और भारतीय खाद्य निगम के क्रय केन्द्र पर धान के ढेर पड़े हुए थे, जिनकी तौल हो रही थीं। दोनों ही मण्डियों के क्रय केन्द प्रभारियों को सचेत किया गया कि केन्द्र पर आने वाले कृषक का पंजीकरण प्रपत्र, खतौनी, आधार कार्ड की भॅली-भॉति जॉचकर उनके धान की तौल प्रारम्भ की जाये। नायब तहसीलदार अझुवा एवं ओसा मण्डी का प्रतिदिन मण्डी के क्रय केन्द्रां का निरीक्षण करने के निर्देष दिये गये। जिलाधिकारी द्वारा क्रय केन्द्रो के दैनिक निरीक्षण के लिए नोडल अधिकारी नामित किये गए है, तथा क्र्रय केन्द्र के आस-पास अनावश्यक रूप से लगातार देखें जाने वाले अनधिकृत लोगों को बिचौलियें के रूप में चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देष दिये गए है। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की स्थिति में केन्द्र प्रभारी के विरूद्ध भी दण्डात्मक कार्यवाही की जायेंगी।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक युवती का शव, मचा हड़कंप

सबसे तेज प्रयागराज
सैनी/ कौशांबी। सैनी कोतवाली के धुमाई गांव के मजरे लोधन का पुरवा के सामने दिल्ली हावड़ा रेल मार्ग के डीएफसी लाइन की डाउन लाइन पर आज बुधवार दोपहर लगभग 3 बजे एक युवक और युवती का छिन्न भिन्न शव मिलने से हड़कंप मच गया मौके पर ग्रामीणों का मजमा लग गया सूचना पर पहुंची अझुवा चौकी पुलिस और सैनी कोतवाली पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई कुछ देर बाद ही युवक युवती की शिनाख्त नगर पंचायत अझुवा वार्ड नंबर 4 मढिया मई रसूल पुर निवासी उमा देवी उम्र लगभग 18 वर्ष पुत्री मिश्री लाल और शनि उर्फ चुंडा पुत्र सोहन लाल वार्ड नंबर 4 मढिया मई रसूल के रूप में हुई वहीं ग्रामीण चचाओं के अनुसार युवक युवती में काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था बीते कल मंगलवार प्रेमी प्रेमिका में वाद विवाद बताया जा रहा है ग्रामीणों के अनुसार दोनों ने प्रेम में असफल होने पर

मौत का रास्ता चुना वहीं युवक शनि चार भाइयों में सबसे छोटा था घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को खबर करते हुए शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज कर जांच पड़ताल में जुट गई है।

महिला सम्बन्धी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाएं - दिनेश सिंह

सबसे तेज प्रयागराज
बाराबंकी। बुधवार को मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत महिला बीट प्रणाली के सुदृढ़ीकरण हेतु पुलिस अधीक्षक, बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित सभागार में गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रत्येक थाने से 02-02 महिला बीट पुलिसकर्मियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा महिला बीट आरक्षियों को नियमित तौर से अपने बीट में भ्रमण करने एवं महिला सम्बन्धी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु अपने-अपने क्षेत्र के स्कूल/कालेजों व बीट में प्रतिदिन जाकर ग्रामीण महिलाओं/बालिकाओं को जागरुक करने के साथ-साथ बीट बुक को अद्यावधिक रखने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही महिला बीट पुलिसकर्मियों को अपने कार्यक्षेत्र में अपराधों के प्रति संवेदनशीलता के साथ काम करने और महिला सुरक्षा को लेकर सकारात्मक बदलाव लाने हेतु महिला सुरक्षा से सम्बन्धित सभी योजनाओं और कानूनों के सम्बन्ध में अपने बीट/क्षेत्र की महिलाओं और बालिकाओं के साथ नियमित संवाद स्थापित करने, सरकारी योजनाओं और हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी देने एवं अपराध पीड़ित महिलाओं को त्वरित सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए गए। मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी, बाराबंकी चिरंजीवनाथ सिन्हा, प्रशिक्षणाधीन उपाधीक्षक सुश्री गरिमा पन्त आदि अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहें।

76वां जनपद स्तरीय स्थापना दिवस परेड का किया हुआ आयोजन, डीएम ने किया सम्मानित

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल के तत्वाधान में प्रांतीय रक्षक दल का 76 वां जनपद स्तरीय स्थापना दिवस परेड का आयोजन डीएम मधुसूदन हुल्गी की अध्यक्षता में ग्रामीण मिनी स्टेडियम गिरसा विकासखंड सिराथू कौशांबी के परिसर में किया गया।

जिलाधिकारी मधुसूदन हुलगी द्वारा पीआरडी स्थापना परेड का निरीक्षण किया गया तथा जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। जिलाधिकारी ने जवानों को प्रोत्साहित करते हुए उनके द्वारा निष्ठापूर्वक सेवा भाव से पुलिस और होमगार्ड के साथ मिलकर सेवा करने की सराहना की एवं आगे भी तन-मन से तत्पर रहते हुए कंधे से कंधा मिलाकर सेवा करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्हांने जवानों को हर संभव सहयोग और उनके मानदेय में वृद्धि के लिए एक अनुरोध पत्र भी महानिदेशक को भेजे जाने के लिए अपनी सहमति दी।

स्थापना दिवस परेड में जवानों की कुल तीन टोलियां शामिल थी, जिसमें प्रत्येक टोली में 21 जवान शामिल थे। इसके अतिरिक्त तीन टोली कमांडर और तीन परेड कमांडर शामिल थे। युवा कल्याण विभाग की पूरी टीम ने पूरी तन्मयता से लगकर इस कार्यक्रम को एक उत्सव के रूप में तब्दील किया और कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। जिलाधिकारी द्वारा तीनों ही टीमों को जज करते हुए प्रथम द्वितीय और तृतीय श्रेणी दी गई, जिसके आधार पर जवानों को मेडल ट्रॉफी और वास्तुगत पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। स्थापना दिवस परेड के अंतर्गत परेड के अतिरिक्त विभिन्न टोलियों में टीम बनाकर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण और आकर्षक खेल रास्सा कशी का रहा, जिससे दर्शकों ने भी लुफ्त उठाया साथ ही विजेता और उपविजेता टीम को एवं टीम के प्रतिभागियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्हांने परेड ग्राउंड पर पीआरडी के जवानों द्वारा बनाई गई रंगोली की प्रशंसा की एवं भविष्य में विभागीय कठिनाइयों को दूर करने में अपेक्षित सहयोग प्रदान करने का वादा भी किया।

कार्यक्रम में प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी अंशु मिश्रा, कार्यक्रम प्रभारी सुश्री स्वाति पांडेय तथा क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी नाजुक जहां एवं सौरभ आर्य उपस्थित रहें।

महिला पुलिस कर्मियों ने रैली निकाल महिलाओं को किया जागरूक

एएसपी ने रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी।क्षउत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वावलंबन हेतु मिशन शक्ति अभियान (फेज–05) के अंतर्गत चलाए जा रहे महिलाओं के सशक्तीकरण और जागरुकता अभियान के क्रम में बुधवार को जनपद कौशाम्बी में महिला पुलिस कर्मियों द्वारा दोपहिया वाहनों से पुलिस अधीक्षक कार्यालय जनपद कौशाम्बी से वृहद जागरूकता रैली निकाली गयी।

रैली को अपर जिलाधिकारी कौशाम्बी एवं अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया । यह रैली पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्रारंभ होकर कस्बा मंझनपुर के विभिन्न चौराहों से होते हुये वापस पुलिस अधीक्षक कार्यालय आकर समाप्त हुई। जागरूकता रैली के दौरान पुलिस के द्वारा माइक से आमजनमानस को मिशन शक्ति के बारे में जानकारी दी गयी साथ ही शासन के द्वारा चलायी जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे– (1) 1076 मा० मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, (2) 1090 वीमन पावर हेल्पलाइन, (3) 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, (4) 102 स्वास्थ सेवा, (5)108 एंबुलेंस सेवा, (6) 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन, (7) 181 वन स्टाप सेन्टर, तथा (8) 112 पुलिस आपात कालीन सेवा आदि के बारे में भी जानकारी दी गयी। जागरूकता रैली के द्वारा जनपद कौशाम्बी की महिलाओ में तथा आमजनमानस में निर्भीकता की भावना सृजित की गयी। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी मंझनपुर, क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी अभिषेक सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण तथा मीडियाकर्मी भी मौजूद रहे।

पॉक्सो एक्ट का वांछित गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देश दिए जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोखराज पुलिस उ०नि० हरीश तिवारी मय हमराह पुलिस बल द्वारा पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त सोनू यादव पुत्र महेंद्र कुमार यादव उर्फ अद्धा नि० ग्राम अलीगंज थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी को जनहित इंटरमीडिएट कॉलेज चाकवन चौराहा के पास से गिरफ्तार किया गया।

वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया

कौशांबी। एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देश दिए थाना कौशाम्बी पुलिस उ०नि० सलाम मुहम्मद मय हमराह पुलिस बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त बुधई पुत्र देशराज नि० बड़ागढ़वा थाना व जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

अन्तर्जनपदीय 6 स्मैक तस्कर गिरफ्तार, कब्जे से 600 ग्राम अवैध स्मैक व 23 लाख रुपये नकद बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा जनपद में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी (बिक्री/परिवहन एवं प्रयोग) करने वालों के विरुद्ध अभियान चलाकर कठोरतम कार्यवाही किये जाने के आदेश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक, दक्षिणी डॉ0 अखिलेश नारायण सिंह के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी रामसनेहीघाट श्री समीर कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में बुधवार को स्वाट/सर्विलांस व थाना रामसनेहीघाट की संयुक्त पुलिस टीम को मैनुअल इंटेलीजेंस एवं डिजिटल डेटा की मदद से महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। पुलिस टीम द्वारा 6 मादक पदार्थ तस्करों 1. शुभम पाठक पुत्र स्व0 सत्यप्रकाश पाठक, आशीष पुत्र रामफेर रावत, धर्मराज पुत्र अशोक, दुर्गेश रावत पुत्र बाबू लाल निवासीगण ग्राम कोटवा सड़क थाना रामसनेहीघाट जनपद बाराबंकी, विनोद पुत्र जग्गी, जीत बहादुर पुत्र सेवालाल

निवासीगण कस्बा व थाना हरैया जनपद बस्ती को कोटवा सड़क से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे/निशांदेही पर 600 ग्राम अवैध स्मैक (अंतर्राष्ट्रीय कीमत करीब 60 लाख रुपये), 11 पुड़िया अवैध स्मैक, 05 अदद मोबाइल फोन व 23 लाख 72 हजार रुपये नकद बरामद किया गया। पूछताछ एवं जांच से ज्ञात हुआ कि अभियुक्त शुभम पाठक अपने पिता के साथ पूर्व से मादक पदार्थ तस्करी का काम करना शुरू किया था। अभियुक्त शुभम पाठक के पिता थाना रामसनेहीघाट के हिस्ट्रीशीटर थे, जिनकी मृत्यु हो गई है। अभियुक्त शुभम पाठक जनपद अयोध्या, अम्बेडकर नगर व वर्ष 2022 में थाना रामसनेहीघाट, बाराबंकी से मादक पदार्थ की तस्करी में जेल जा चुका है। यह अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर जनपद बाराबंकी के आस–पास के जनपदों में तस्करी का काम करता है तथा घर में भी मादक पदार्थ का नशा करने वाले लोगों को फुटकर बिक्री करता है। अभियुक्त, तस्करों से अवैध स्मैक उधार खरीदता था एवं उसको बेचने के बाद प्राप्त रुपयें उन्हें देता था। अभियुक्त द्वारा बरामद धनराशि तस्करों को देने के लिए एकत्रित की गई थी। अभियुक्त शुभम के पिता की मृत्यु के बाद से उसकी मां व पत्नी इस घर में नहीं आती है, वह अकेला रहता है तथा जानकारी प्राप्त हुई है कि अवैध तरीके से अर्जित धन से ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय करता है एवं जनपद लखनऊ के तकरोही में भी एक मकान बनाया है, जिसे किराये पर दे रखा है। पुलिस टीम द्वारा इस गिरोह के अन्य सदस्यों एवं गिरफ्तार अभियुक्तगण के अन्य आपराधिक इतिहास एवं अवैध तरीके से धनोपार्जन कर अर्जित की गई सम्पत्ति की भी जानकारी की जा रही है।

25 लीटर अवैध कच्ची शराब व 20 कि0 ग्रा0 लहन किया गया बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में अवैध शराब निष्कर्षण व परिवहन के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना खखरेरू पुलिस टीम द्वारा ग्राम मटिहा मजरे कबरा में दबिश देकर कुल 25 लीटर

अवैध कच्ची शराब व 20 कि.ग्रा. लहन को बरामद किया गया जिसको मौके पर ही नष्ट किया गया । दो अभियुक्तगण ननकुल पुत्र डिगहू निवासी मटिहा मजरे कबरा थाना खखरेरु फतेहपुर .बृजेश पासी उर्फ बिज्जू पुत्र राजाराम निवासी मटिहा मजरे कबरा थाना खखरेरु फतेहपुर के विरुद्ध पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही नियमानुसार की जा रही है ।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को थाना थरियांव पुलिस द्वारा दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट से सम्बंधित वांछित अभियुक्त पारस उर्फ बोधा लोधी पुत्र छोटेलाल

निवासी दिहुली थाना थरियांव जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

गिरफ्तार करने वाली टीम
थानाध्यक्ष थरियांव अरविन्द कुमार राय . उ०नि० उमेशचन्द्र शर्मा. का० धर्मेन्द्र यादव, का० रविन्द्र यादव।

अवैध रिवाल्वर कारतूस संग एक आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को थाना राधानगर पुलिस द्वारा अभियुक्त दशरथ

पुत्र स्व० गयाप्रसाद निवासी कांधी थाना मलवां जनपद फतेहपुर को मय एक अदद रिवाल्वर 9 MM के साथ गिरफ्तार किया गया।

कच्ची शराब के साथ महिला गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में अवैध शराब निष्कर्षण व परिवहन के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में देर रात को थाना धाता पुलिस द्वारा अभियुक्ता भानमती पत्नी रामविलास उर्फ कल्लू उम्र करीब 35 वर्ष निवासी गलेहरा थाना धाता जनपद फतेहपुर को 15 लीटर अवैध कच्ची शराब,

शराब बनाने के उपकरण तथा व 95 कि0ग्रा0 लहन के साथ गिरफ्तार किया गया।

फूलपुर पुलिस ने वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करके भेजा जेल

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे धड़पकड़ अभियान के क्रम में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। फूलपुर थाना क्षेत्र के लतीफपुर गांव की एक युवती ने फूलपुर थाने पर शिकायती पत्र देते हुए आरोप लगाए थे कि फूलपुर थाना क्षेत्र के नेकनामपुर गांव निवासी प्रीत कुमार 20 वर्ष पुत्र मिठाई लाल निवासी उपरोक्त ने उसे बहला फुसला कर शादी का झांसा देकर काफी दिनों तक उससे शारीरिक संबंध बनाता रहा किंतु शादी के लिए जब उस दबाया बनाया तो उसने शादी करने से इनकार करते हुए उसे धोखा दे दिया पुलिस ने मामले की छानबीन के बाद आरोपी के खिलाफ मुकदमा कायम किया तो भनक लगते ही वह घर फरार हो गया वांछित अभियुक्त की तलाश करने के लिए थाना प्रभारी फूलपुर प्रवीण कुमार गौतम ने क्षेत्र के हल्का दरोगा दीपक कुमार के साथ पुलिस टीम गठित करके उसे गिरफ्तार करने का आदेश दिया उपरोक्त पुलिस टीम ने वांछित आरोपी को मंगलवार को फूलपुर थाना क्षेत्र के सराय लिली उर्फ खोजापुर गांव के नहर की पुलिया के पास से गिरफ्तार करके विधिक कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया।

फूलपुर में सड़क पर लेपन कार्य के चलते लग रहा जाम

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर में इन दिनों ज्यूं ज्यूं महाकुंभ नजदीक आ रहा है सड़कों की मरम्मती करण में तेजी आ गई है। प्रयागराज जौनपुर मार्ग फूलपुर मुबारकपुर मार्ग पर सड़क लेपन का कार्य काफी तेजी से दिन रात लेपन कार्य चल रहा है। जिससे दोनों ही सड़कों पर विशेषतया तहसील रोड पर भयंकर जाम लग रहा है। महाकुंभ का शुभारंभ विशेष स्नान पर्व खिचड़ी कार्तिक पूर्णिमा से शुरू होने जा रहा है उक्त पर्व करीब आ चुका है। तब तक लोक निर्माण विभाग को सभी सड़के कंप्लीट करके देनी है। कार्यदायी संस्थायें रात दिन लेपन कार्य में लगी है। फिर भी खिचड़ी तक मुश्किल से ही सभी सड़क पूरी हो पाएंगे इसको लेकर क्षेत्र में तरह तरह की चचाएं लोगो के बीच जोरो पर है।

फूलपुर में बिजली कर्मियों की हड़ताल का नहीं दिखा असर

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। बिजली कर्मियों के कुछ मांगो को लेकर हड़ताल करने के साथ ही हाथों पर काली पट्टियां के साथ क्षेत्र में रहने के संकेत मिले थे किंतु बुधवार को फूलपुर एवं खंसार क्षेत्र में विद्युत उपकेंद्र फूलपुर व खंसार पर विद्युत आपूर्ति भरपूर रही। नित्य की भांति उपलब्ध आपूर्ति बराबर लोगों को मिलती रही। संघ के आवाहन पर भी काली पट्टी बंधी नही दिखी। बिलों के भुगतान का काउंटर दोनों उप केन्दों पर खुले रहे। उपभोक्ताओं ने बिलों का भुगतान भी किया। किसी प्रकार की कोई मीटिंग या धरना प्रदर्शन नहीं हुआ। उपखंड अधिकारी किसी काम से जिले पर गए हुए थे। फीडर वर्कर अपने क्षेत्र में गुड्डू नौशाद ,मुलायम पाल ,आशीष यादव आदि नित्य की भांति अपने-अपने साइट पर बने रहे।

वाहन चोरी गैंग का पर्दाफाश, चार बाइक के साथ 3 शातिर चोरो गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कुशीनगर। जनपद कुशीनगर में अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को थाना सेवरही पुलिस द्वारा 3 अभियुक्त सत्यानन्द पुत्र हरे राम गुप्ता सा0 सपही बरवा राजा पाकड़ थाना तुर्कपट्टी जनपद कुशीनगर, लवकुश उर्फ दीपक खरवार पुत्र अमावस खरवार सा0 सपही टड़वा थाना तुर्कपट्टी जनपद कुशीनगर व 3. अमित भारती पुत्र श्रवण प्रसाद सा0 सपही टड़वा थाना तुर्कपटी जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार कर उनके कब्जें से चोरी गये 4 मोटरसाइकिल भिन्न-भिन्न रंग व हीरो सुपर स्पेलेन्डर नम्बर प्लेट पर बरामद किया गया।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ गीत, नुक्कड़ नाटक एवं भाषण की बहुत ही सुन्दर प्रस्तुति से मन मोहा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, योजनान्तर्गत निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पांशरशिप योजना, विधवा पुत्री शादी अनुदान, विधवा से विवाह करने पर दम्पत्ति पुरस्कार योजना, दहेज से पीड़ित महिलाओं को कानूनी सहायता, दहेज से पीड़ित महिलाओं को आर्थिक सहायता एवं दिव्यांग विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के अन्तर्गत पात्र महिलाओं एवं बच्चों के चिन्हांकन एवं प्रोत्साहित किये जाने के लिए बुलाया विकास खण्ड कार्यालय, मंझनपुर के परिसर में कैम्प का आयोजन किया गया। अध्यक्षा जिला पंचायत श्रीमती कल्पना सोनकर द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। धर्मा देवी इण्टर कालेज अझुवा, कस्तूरबा गांधी इण्टर कालेज भरवारी एवं डी0डी0आर0 पब्लिक इण्र कालेज भरवारी की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ गीत, नुक्कड़ नाटक एवं भाषण की बहुत ही सुन्दर प्रस्तुति की गयी।

अध्यक्ष जिला पंचायत ने जन-सामान्य को सम्बोधित करते हुए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा ने उपस्थित जन-सामान्य को सम्बोधित करते हुए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मिशन शक्ति एवं योजनाओं पर जानकारी दी गयी। भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने भी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं महिलाओं से सम्बन्धित योजनाओं पर प्रकाश डालते हुये अपने विचार व्यक्त किये। पूर्व विधायक मंझनपुर द्वारा महिला सशक्तीकरण पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गयी।

महिला कल्याण विभाग की सभी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं आवेदन किये के लिए समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा अन्य सम्बन्धित विभागों द्वारा भी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए विभागवार अलग-अलग स्टॉल लगायें गये थे। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना, निराश्रित महिला पेंशन, स्पॉन्सरशिप मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किया गया। दिव्यांग कल्याण विभाग द्वारा दिव्यागों को दिव्यांग पेंशन प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी, मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एवं खण्ड विकास अधिकारी सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण एवं अधिक संख्या में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी, महिला, पुरूष, बालक एवं बालिकायें उपस्थित रहीं।

मऊआइमा पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज ।

एसीपी फूलपुर पंकज लवानिया के निर्देश पर मऊआइमा पुलिस वांछित वारंटी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया।

प्रभारी निरीक्षक मऊआइमा वीरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र वांछित आरोपी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर वांछित अभियुक्त आकाश दुबे उर्फ आदर्श द्विवेदी पुत्र ओमप्रकाश दुबे निवासी हटिया थाना मऊआइमा कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना मऊआइमा क्षेत्रान्तर्गत तिलई बाजार तिराहा के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

आत्महत्या का वांछित आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। मऊआइमा पुलिस आत्महत्या के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी बुधवार गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक मऊआइमा वीरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र में वांछित वारंटी की तलाश चेकिंग के दौरान वांछित अभियुक्त करन सिंह पुत्र कमल सिंह निवासी ग्राम सोरों (बरियाराम) थाना सरायममरेज कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सरायममरेज क्षेत्रान्तर्गत सरजू पट्टी के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

शिवकुटी पुलिस द्वारा दो चोर गिरफ्तार, मोटरसाइकिल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। शिवकुटी पुलिस चोरी के आरोपियों की तलाश में मुखबिर की सूचना पर दो चोरों को गिरफ्तार कर चोरी की मोटरसाइकिल बरामद करते हुए जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक शिवकुटी बिरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि चोरी लूट के आरोपियों की तलाश में चेकिंग किया जा रहा था इसी बीच मुखबिर की सूचना पर 2 अभियुक्त अभिषेक गौतम पुत्र राम गोपाल गौतम निवासी मानापुर थाना पट्टी जनपद प्रतापगढ़ व भीम चौरसिया पुत्र राजमणि चौरसिया निवासी ग्राम हडिया सरपतहा महारानी पश्चिम थाना चांदा जनपद सुल्तानपुर को एस0टी0पी0 के पास मेंहदौरी थाना क्षेत्र शिवकुटी से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 01 मोटरसाइकिल होण्डा साइन बरामद की गई।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम

चौकी प्रभारी मेहदौरी रामकुमार पाण्डेय.उ0नि0 विवेक कुमार गुप्ता.उ0नि0 प्रशिक्षु प्रेमप्रकाश पाण्डेय थाना शिवकुटी कमिश्नरेट प्रयागराज।

ओम नमः शिवाय का महाकुंभ में भण्डारा शुरू

बड़ी संख्या में लोग ग्रहण कर रहे प्रसाद

शिविर के लिए भूमि पूजन 14 को : गुरुदेव

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महाकुंभ में सबसे बड़ा अन्नक्षेत्र चलाने वाली संस्था ओम नमः शिवाय प्रयागराज ने आज से परेड में अन्नक्षेत्र शुरू कर दिया है। यह अन्नक्षेत्र परेड, मेला प्रशासन के अस्थाई कार्यालय के सामने, दारागंज रेलवे स्टेशन के पास, काली रोड, त्रिवेणी मार्ग और नागवासुकी मार्ग पर महाशिवरात्रि तक चलेगा। ओम नमः शिवाय के पूज्य गुरुदेव ने बताया कि भीषण ठंड में देश के कोने-कोने से बड़ी संख्या में लोग तीर्थराज प्रयागराज के महाकुंभ में शामिल होने के लिए आ रहे हैं। भीषण ठंड में उनको खाने की परेशानी न हो इसलिए अन्नक्षेत्र शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि महाकुम्भ के दौरान मेला क्षेत्र में दर्जनभर स्थानों पर, बस अड्डा, रेलवे स्टेशन, मेला प्रशासन, पुलिस कार्यालय और स्वच्छताग्राही सहित अन्य लोगों के दिन - रात खाने की व्यवस्था रहेगी। पूज्य गुरुदेव ने बताया कि 14 दिसंबर को भूमि पूजन त्रिवेणी मार्ग स्थित शिविर के लिए होगा जिसमें मेला प्रशासन के सभी अधिकारी शामिल रहेंगे। उल्लेखनीय है कि ओम नमः शिवाय प्रयागराज माघ मेला, अर्द्ध कुंभ और महाकुंभ में 48 वर्ष से दर्जनभर स्थानों पर विशाल अन्नक्षेत्र दिन, रात चलता है, जहां लाखों लोग प्रसाद ग्रहण करते हैं।

इंस्पेक्टर कोखराज ने चेकिंग व पैदल गस्त के दौरान कई बाइको का किया चालान

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के चाकवन चौराहे में पुल के पास चेकिंग अभियान के तहत एसओ कोखराज चन्द्र भूषण मौर्य ने हमराहियों के साथ बिना हेलमेट पहनने वाले व कागजात न दिखाने पर कई बाइक सवार का चालान काटा और मौके से ठेका पर शराब पीने वाले लोगों की जाँच कर कठोर कार्यवाही की चेतावनी दी है पैदल गस्त कर पुलिस टीम को देख कर लोग इधर उधर भागने लगे मौके पर एसआई ,वीरेंद्र द्विवेदी ,चन्द्र बली सरोज आदि पुलिस बल मौके पर मौजूद रहे ,शराब ठेके पर मौजूद लोगों की जाँच किया और मौके पर तमाम दुकानदारो को हिदायत दिया कि यदि वेवजह भीड़ जमा किया और रोड पर शराब पीते पाए गए तो शराब पीने वाले लोगों के ऊपर कठोर कार्यवाही की जाएगी यातायात अभियान के तहत कई बाइक सवार लोगों के ऊपर कार्यवाही की।

भारतीय किसान यूनियन राजनैतिक ने जन समस्या को लेकर सौंपा ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया।

भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे के नेतृत्व में गरीबों एवं किसानों की समस्या समाधान हेतु बुधवार को तहसील परिसर में बहरिया में किसान चौपाल लगाई गई जिसमें जिलाधिकारी प्रयागराज को संबोधित करते हुए एक ज्ञापन नवल किशोर शुक्ला नायब तहसीलदार फूलपुर खण्ड विकास अधिकारी विकास खण्ड बहरिया महेश कुमार मिश्रा थानाध्यक्ष बहरिया को दिया गया। इस अवसर पर अमरनाथ यादव मण्डल उपाध्यक्ष, डा राममूरत वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष डॉ रामराज पटेल गंगापार सलाहकार भरत लाल पटेल गंगापार अध्यक्ष शिव मिलन गौतम जिला उपाध्यक्ष मो. सलीम उबैद ठाकुर राकेश मिश्रा संतोष शुक्ला मीरा देवी ,संगीता गुप्ता आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लाक अध्यक्ष बहरिया कमलेश कुमार यादव ने की।

महानिदेशक रेल सुरक्षा बल द्वारा महाकुम्भ-2025 के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था हेतु प्रयागराज परिक्षेत्र के रेलवे स्टेशनों का विस्तृत निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मनोज यादव, महानिदेशक, रेल सुरक्षा बल रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली का प्रयागराज परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रेलवे स्टेशनों पर महाकुम्भ–2025 के दृष्टिगत अपेक्षित सुरक्षा व्यवस्थाओं को परखने हेतु प्रयागराज में आगमन हुआ।

महानिदेशक द्वारा अमिय नन्दन सिन्हा, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/उत्तर मध्य रेलवे ए.एन. मिश्रा, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/उत्तर रेलवे व तारिक अहमद, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/पूर्वोत्तर रेलवे तथा रेल सुरक्षा बल के अन्य उच्चाधिकारियों के साथ प्रयागराज परिक्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे व पूर्वोत्तर रेलवे के प्रयागराज जं0, नैनी, प्रयागराज छिवंकी, सूबेदारगंज स्टेशन, प्रयाग, फाफामऊ, झूंसी व रामबाग स्टेशनों का आगामी महाकुम्भ–2025 की सुरक्षा व्यवस्था व मेला ड्यूटी हेतु आने वाले स्टाफ के रहन–सहन के दृष्टिगत विस्तृत निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। तत्पश्चात महानिदेशक द्वारा छिवंकी–नैनी व सूबेदारगंज में रेल सुरक्षा बल स्टाफ के रहन–सहन हेतु बनायी गयी 02 नवनिर्मित बैरकों का उद्घाटन किया गया। दोनों रेल सुरक्षा बल बैरकों का नामकरण रेल सुरक्षा बल के शहीद जवानों के नाम पर किया गया जिसमें छिवंकी–नैनी बैरक का नामकरण शहीद जगबीर सिंह व सूबेदारगंज बैरक का नामकरण शहीद ज्ञान सिंह के नाम पर किया गया। सूबेदारगंज बैरक के उद्घाटन के दौरान महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे भी उपस्थित रहे। महानिदेशक द्वारा उत्तर मध्य रेलवे के सूबेदारगंज स्थित मुख्यालय में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे , प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे व रेलवे के अन्य उच्चाधिकारियों के साथ संगोष्ठी कर महाकुम्भ–2025 की तैयारियों, श्रद्धालुओं/यात्रियों की सुविधाओं व महाकुम्भ–2025 के दौरान आने वाली समस्याओं व उनके निराकरण के मद्देनजर विस्तृत चर्चा करने उपरांत आवश्यक दिशा–निर्देश निर्गत किये गये। महानिदेशक द्वारा महाकुम्भ–2025 के दृष्टिगत रेल सुरक्षा बल व सिविल पुलिस के बेहतर समन्वय एवं सफल आयोजन हेतु उत्तर प्रदेश पुलिस के उच्चाधिकारियों के साथ भी समन्वय गोष्ठी की गयी।

बांग्लादेश में दोषियों के खिलाफ की जाए सख्त कार्रवाई

डाक्टरों ने हिन्दुओं के साथ हुई अमानवीय घटना पर जताया आक्रोश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज से चलकर श्री हनुमान जी के मंदिर के पास स्थित चौराहे तक डाक्टर अपने हाथों में मोमबत्ती लेकर पैदल मार्च किए, उसके बाद सभी लोग मेडिकल कॉलेज गेट पर बंग्लादेश में हिन्दुओं के साथ अमानवीयता और बर्बरता के खिलाफ खड़े होने के लिए एकत्र हुए, जो बांग्लादेश में हमारे हिंदू भाइयों और बहनों के साथ हो रही है। यह केवल हिंदू समुदाय पर हमला नहीं है, यह मानवता के मूलभूत सिद्धांतों पर हमला है।

डाक्टरों ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ कई दर्दनाक घटनाएं सामने आई हैं। 2021 में दुर्गा पूजा के दौरान, हिंसा की एक लहर ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था, जिसमें कई हिंदू मंदिरों को तोड़ा गया और निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। हाल ही में, 2023 में, हिंदू गांवों पर हमले किए गए, उनके घर जलाए गए, और महिलाओं के साथ अत्याचार हुए और अब, इस्कॉन मंदिर पर हमला करके न केवल पूजा स्थल को अपवित्र किया गया, बल्कि वहां के मुख्य पुजारी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना धर्म की स्वतंत्रता पर एक सीधा हमला है।

इतना ही नहीं, मंदिरों और मूर्तियों को तोड़ा गया, पवित्र ग्रंथों का अपमान किया गया और मासूम बच्चों तक को नहीं बख्शा गया।

बांग्लादेश में हिंदुओं को अपने धर्म का पालन करने से रोका जा रहा है। महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ रही हैं। संपत्तियां लूटी जा रही हैं। पूजा स्थलों को तोड़ने के बाद उन्हें मस्जिदों में तब्दील किया जा रहा है। यह अत्याचार किसी भी सभ्य समाज के लिए अस्वीकार्य है।

भारत सरकार और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से यह मांग है कि

बांग्लादेश सरकार पर दबाव डाला जाए कि वह दोषियों को तुरंत सजा दे और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे,इस्कॉन मंदिर के पुजारी की तुरंत रिहाई और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा की गारंटी दी जाए,संयुक्त राष्ट्र इस मामले को गंभीरता से ले और मानवाधिकार उल्लंघन पर रिपोर्ट तैयार करे,भारत को कूटनीतिक माध्यम से यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों को संरक्षित किया जाए,हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह मुद्दा उठाया जाए ताकि यह आवाज दबने न पाए।

सभी डाक्टरो ने कहा कि यह मोमबत्ती केवल प्रकाश नहीं है, यह न्याय की उम्मीद है। यह उन पीड़ितों के लिए हमारी सहानुभूति है और एक शांतिपूर्ण भविष्य की हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है।आइए, हम सब मिलकर यह संदेश दें कि मानवता के खिलाफ किसी भी प्रकार की बर्बरता अस्वीकार्य है।

इस दौरान डॉ संतोष सिंह,डॉ. रवि प्रताप सिंह, डॉ. गौरव तलवार, डॉ. अनमोल पांडेय, डॉ. शुभम कृष्ण तिवारी, डॉ. सौरभ सिंह, डॉ. अशुतोष आनंद, डॉ. विवेक सिंह, डॉ. यशवंत पांडेय, डॉ. सुयश सिंह, डॉ. अपराजिता पांडेय, डॉ. निशु तिवारी, डॉ. महक झा, डॉ. श्रेया गुप्ता, डॉ. अंजली यादव और लगभग 500 से ज्यादा अन्य चिकित्सकों ने इस आक्रोश एवं विरोध कैंडल मार्च में भाग लिया।

संपादक की कलम से

प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा

प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा किसी भी स्वास्थ्य प्रणाली की नींव होती है, खासकर ग्रामीण भारत में, जहाँ 65% से ज्यादा आबादी रहती है। फिर भी, ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ देने में लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ज्यादातर ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में बिजली, स्वच्छ पानी और उपकरण जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी 2021 के अनुसार, 8% से ज्यादा स्वास्थ्य सेवा केंद्र बिना बिजली के काम करते हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में डॉक्टरों और नर्सों सहित प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की भारी कमी है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय 2022 के अनुसार भारत में स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में 23% डॉक्टरों की कमी है। लंबी दूरी और खराब परिवहन नेटवर्क के कारण दूरदराज के इलाकों में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जिससे मरीजों की स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच प्रभावित होती है। उत्तराखंड जैसे पहाड़ी क्षेत्रों के 40% से ज्यादा गाँवों में नजदीकी स्वास्थ्य सेवा केंद्र तक पहुँच नहीं है। कम साक्षरता स्तर और स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूकता की कमी के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं का कम उपयोग होता है। बिहार जैसे राज्यों में कम जागरूकता के कारण टीकाकरण दर कम बनी हुई है। भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का 1.3% स्वास्थ्य सेवा पर खर्च करता है (आर्थिक सर्वेक्षण 2023) , जो ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे और सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए अपर्याप्त है। पीएचसी में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, बिजली, स्वच्छ पानी और आवश्यक उपकरण सुनिश्चित करने में निवेश करें। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों को उन्नत करने के लिए अतिरिक्त धन आवंटित कर सकता है। डॉक्टरों और नर्सों के लिए उच्च वेतन, आवास और ग्रामीण भत्ते जैसे प्रोत्साहनों के माध्यम से भर्ती और प्रतिधारण को बढ़ाएँ। तमिलनाडु जैसे राज्य ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने के लिए डॉक्टरों को प्रोत्साहित करने के लिए ग्रामीण सेवा लाभ प्रदान करते हैं। दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए टेली मेडिसिन और मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों के उपयोग का विस्तार करें। ग्रामीण भारत में टेली कंसल्टेशन प्रदान करने के लिए ई-संजीवनी का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है। मातृ और बाल स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में समुदाय-आधारित जागरूकता कार्यक्रम चलाएँ। ग्रामीण इलाकों में मातृ देखभाल को बढ़ावा देने में आशा कार्यकर्ता प्रभावी रही हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 द्वारा अनुशंसित सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय को सकल घरेलू उत्पाद के कम से कम 2.5% तक बढ़ाएँ। थाईलैंड जैसे देशों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य में निरंतर निवेश के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच में सुधार किया है। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा में चुनौतियाँ सिर्फ़ मरीजों तक सीमित नहीं हैं; वे स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के कंधों पर भी भारी बोझ डालती हैं। डॉक्टरों के सामने आने वाली कठोर वास्तविकता हैं-हिंसा, अपर्याप्त आवास और ढहते बुनियादी ढाँचे। ये कारक यहाँ सरकारी अस्पतालों में काम करने के लिए कई लोगों को रोकते हैं। विशेषज्ञों को लाने के प्रयासों के बावजूद, ऐसे पेशेवरों की कमी का मतलब अक्सर यह होता है कि मरीजों को इलाज के लिए ज़िला अस्पतालों में भेजा जाना चाहिए। "कोविड-19 महामारी हमारी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए एक चेतावनी थी, फिर भी इस क्षेत्र में कोई अतिरिक्त निवेश नहीं हुआ है। सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में ग्रामीण भारत के लोग, विशेष रूप से पहाड़ों, जंगलों और रेगिस्तानों में रहने वाले लोग, बीमारी का सामना करने पर खुद का ख़्याल रखना जारी रखते हैं-अक्सर बीमारी के गंभीर होने तक देखभाल में देरी करते हैं, बिल्कुल भी देखभाल नहीं करते हैं या अनौपचारिक, खराब गुणवत्ता वाले प्रदाताओं से देखभाल लेते हैं। जब वे स्वास्थ्य सेवा लेने में सक्षम होते हैं, तब भी उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है, उन्हें खराब गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा मिलती है और अक्सर इस प्रक्रिया में वे कर्ज.में डूब जाते हैं।" ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुँच बढ़ाने के लिए एक महत्त्वपूर्ण उपकरण, टेलीमेडिसिन, अभी भी महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। विशेषज्ञों की उपलब्धता को संरेखित करना, यह सुनिश्चित करना कि रोगियों को इंटरनेट और बिजली जैसे आवश्यक बुनियादी ढाँचे तक पहुँच हो और विशेषज्ञों द्वारा अक्सर सामना की जाने वाली भारी नैदानिक ज़िम्मेदारियों का प्रबंधन करना, ये सभी बाधाएँ हैं जिनका समाधान करने की आवश्यकता है। एआई टेलीमेडिसिन परामर्शों को अनुकूलित करके, उपलब्धता के आधार पर मामलों को सही केंद्रों तक पहुँचाकर और एक जिलाव्यापी, एआई-सक्षम, हब-एंड-स्पोक मॉडल का समर्थन करके इस प्रक्रिया को सुव्यवस्थित कर सकता है जो नियुक्ति संतुष्टि दरों में सुधार कर सकता। इसके अलावा, एआई की क्षमता ऑडिटिंग और धोखाधड़ी नियंत्रण तंत्र में सुधार तक फैली हुई है

जो आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) जैसे कार्यक्रमों में संसाधन रिसाव को रोकने के लिए महत्त्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करके कि संसाधनों का प्रभावी और नैतिक रूप से उपयोग किया जाता है, एआई ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणालियों की समग्र अखंडता को मजबूत करने में मदद कर सकता है। ग्रामीण भारत में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करना सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) प्राप्त करने और ग्रामीण स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए आवश्यक है।

जलवायु सम्मेलन: समस्याओं के आकलन

जलवायु बदलाव के दौर में डा. रिछारिया की यादमीडिया से बचते मोदी अजरबैजान की राजधानी बाकू में सीओपी-29 के नाम से जलवायु सम्मेलन हो रहा है जिसमें 200 देश हिस्सा ले रहे हैं। 11 नवम्बर से प्रारम्भ हुआ सम्मेलन 22 तारीख तक चलेगा। 'कांफ्रेंस ऑफ द पार्टीज' कहलाने वाले ऐसे सम्मेलनों की शुरूआत 1995 में जर्मनी की राजधानी बर्लिन से हुई थी। इस श्रृंखला में यह 29वां जमावड़ा है जिसमें सभी देश जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली समस्याओं के आकलन के साथ पृथ्वी का तापमान नियंत्रित करने के बारे में चर्चा करेंगे। भारत विकसित देशों की जिम्मेदारी तय करने का पक्षधर है। 20वीं शताब्दी के छठे व सातवें दशक में प्रदूषण घटाने तथा पर्यावरण संरक्षण को लेकर वैश्विक चिंताएं प्रकट हुई थीं लेकिन सघन एवं सामूहिक प्रयास 90 के दशक के आरम्भ से दिखे। तभी से जलवायु परिवर्तन की गम्भीरता की ओर दुनिया का अधिक ध्यान गया। माना गया कि यह बहुत चिंताजनक है जिस पर सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। सीओपी के अलावा 'अर्थ समिट' जैसे विभिन्न मंचों से नीले ग्रह को गर्म होने से बचाने हेतु गम्भीर प्रयासों की जरूरत बतलाई जाती रही। राष्ट्रसंघ के कई सत्र भी इसे लेकर हो चुके हैं। सीओपी के पिछले सभी सम्मेलनों में अनेक प्रकार की बातें हुईं। बर्लिन के अलावा 1997 में जेनेवा (स्विटजरलैंड), 2005 में क्योटो (जापान), 2010 में कानकुन (मैक्सिको) और 2013 में वारसा (पोलैंड) में हुए सम्मेलन जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को रोकने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के लिहाज से अहम रहे, परन्तु मील का पत्थर साबित हुआ पैरिस (फ्रांस) में आयोजित 2015 का सीओपी 21 सम्मेलन। इसमें शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा गया तथा 196 देशों ने इसे समझौते के रूप में स्वीकार किया जो सभी देशों पर बाध्यकारी है। जिस अमेरिका ने क्योटो सम्मेलन में इस समझौते पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया था, उस पर 2020 में राष्ट्रपति बनते ही जो बाइडेन ने हस्ताक्षर कर दिये थे। उनके पूर्ववर्ती और अब पुनः राष्ट्रपति बन गये डोनाल्ड ट्रम्प का रुख इसे लेकर क्या होगा, यह देखना होगा क्योंकि वे दुनिया में प्रदूषण का ठीकरा विकासशील एवं अविकसित देशों पर फोड़ते रहे हैं। स्वयं बड़े कारोबारी होने के नाते वे विकसित तथा औद्योगिक देशों के पक्षधर माने जाते हैं। अन्य दो ताकतवर देश- चीन व रूस का रवैया भी इस विषय पर ढुलमुल रहा है क्योंकि इन दोनों ही देशों में उद्योग एवं व्यवसायों से बड़े पैमाने पर ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन होता है।

पृथ्वी के सभी घटकों का संरक्षण

हृदयनारायण दीक्षित

वायु प्रदूषण से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोग हलकान हैं। दिल्ली के आसपास सांस लेना कठिन है। हवा विषाक्त हो गई है। एक्यूआई अपने उच्चतम स्तर पर है। जहरीली वायु उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से में प्रभाव डाल रही है। अजरबैजान की राजधानी बाकू में पर्यावरण को लेकर सीओपी 29 सम्मेलन चल रहा है। वहां पर्यावरणविदों ने दिल्ली के वायु गुणवत्ता सूचकांक पर गंभीर चर्चा की है। सरकार ने भी नए निर्माण रोकने, गैर बीएस6 डीजल बसों पर रोक जैसे कठोर कदम उठाए हैं। लेकिन आगे की राह कठिन है। अभी और कड़े निर्णयों की आवश्यकता है। हम सब पृथ्वी पुत्र हैं। पृथ्वी ही पालती है। यही पोषण करती हैं। दूषित पर्यावरण से पृथ्वी का अस्तित्व संकट में है। वायु प्राण हैं। प्राण नहीं तो जीवन भी नहीं। सारी दुनिया का ताप बढ़ रहा है। रामकथा के अनुसार श्रीराम का जन्म पृथ्वी को निशिचर विहीन और पृथ्वी का का कष्ट दूर करने के लिए हुआ था। रामचरितमानस में तुलसीदास ने लिखा है, ह्यह्यअतिशय देख धरम की हानी परम सभीत धरा अकुलानी-धर्म की ग्लानि को बढ़ते देख कर पृथ्वी भयग्रस्त हुई और देवताओं के पास जा पहुंची। उसने देवों को अपना दुख सुनाया-निज संताप सुनाइस रोई-पृथ्वी ने रोते हुए अपना कष्ट बताया। शंकर जी ने पार्वती जी को बताया कि वहां बहुत देवता थे। मैं भी उनमे से एक था-तेहि समाज गिरजा मैं रहेऊ। रामचरितमानस के अनुसार आकाशवाणी हुई, ह्यह्यहे धरती धैर्य रखो। मैं स्वयं सूर्य वंश में आऊंगा और तुमको भार मुक्त करूँगा।ह्यह्य पृथ्वी भारतीय परंपरा में माता हैं। हम सबका आश्रय हैं। पृथ्वी को भार मुक्त करने के लिए परम सत्ता मनुष्य बनती है। पर्यावरण संरक्षण वैज्ञानिकों के सामने भी चुनौती है। कहा जा रहा है कि पृथ्वी के प्राकृतिक घटक अव्यवस्थित हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी दिवस हर साल आता है। इस महत्वपूर्ण दिवस पर कई संकल्प लिए गए। हिन्दुत्व की जीवन शैली में पर्यावरण संरक्षण अन्तर्निहित है। भारत के प्राचीन काल में ही पृथ्वी के प्रति संवेदनशील प्रीति और श्रद्धा थी। वैदिक पूर्वजों ने जल को माताएं कहा था। उन्होंने पृथ्वी को माता और आकाश को पिता बताया था। ऋग्वेद में जल को बहुवचन रूप में माताएं कहा गया है। यूनानी दार्शनिक थेल्स ने जल को आदि तत्व बताया है। प्रकृति के 5 महाभूतों में जल एक महत्वपूर्ण महाभूत है।वायु प्रतिष्ठित देवता हैं ही। पूर्वजों ने वायु को अनेकशः नमस्कार किया है। वायु को शुद्ध बनाए रखना व्रत है। वायु मनुष्य शरीर में प्रवाहित है। वैदिक साहित्य में जल को अतिरिक्त आदर दिया जाता रहा है। वैदिक समाज में जल वृष्टि के कई देवता हैं। ऋग्वेद (1.164) में कहते हैं, ह्यह्यसत्कर्मों से समुद्र का जल ऊपर जाता है। वाणी जल को कंपन देती है। पर्जन्य वर्षा लाते हैं। भूमि आनंद मगन होती हैं। यहाँ मुख्य बात है कि सत्कर्म के कारण समुद्र का जल ऊपर जाता है। सत्कर्मों से ही वायु शुद्ध रहती है। ऋषि वायु से स्तुति करते हैं कि, ह्वआप सुखद आशीष देते हुए प्रवाहमान रहें।ह्व सत्कर्म महत्वपूर्ण हैं। ऐसे कर्म सांस्कृतिक कर्तव्य हैं।

वर्षा पर्जन्य की कृपा हैं। पर्जन्य देव पृथ्वी, जल, वायु, नदी, वनस्पतियों और सभी प्राणियों के संरक्षण से प्रसन्न होते हैं। वैदिक देवता प्रकृति की महत्वपूर्ण शक्तियां हैं। उन्हें कई विभागों में विभाजित किया जा सकता है। पहला द्युस्थानीय देवता हैं। द्यौ का ही एक रूप वरुण हैं। द्युस्थानीय देवताओं में द्यौ सबसे प्राचीन बताए गए हैं। आर्यों की ग्रीक शाखा के लोग ह्यज्योसह्य या ह्यजिअसह्य के रूप में इस देवता की उपासना करते थे। द्यौ का प्रकट रूप हैं आकाश। ऋषि राहुगण गौतम द्यच को सबके पिता कहते हैं। इसी तरह वैदिक देवताओं का दूसरा विभाग है अंतरिक्ष स्थानीय देवता। ऋग्वेद के प्रतिष्ठित देवता इन्द्र इसी श्रेणी में आते हैं। इन्द्र मेघों में अवरुद्ध जल को मुक्त करते हैं। जल प्रवाह वर्षा द्वारा पृथ्वी की ओर आता है। मातरिस्वा, अपानपात आदि अंतरिक्ष स्थानीय देवता हैं। इनमें रूद्र मुख्य हैं। ऋग्वेद के एक मंत्र में रूद्र शिव को त्रयम्बक कहा गया है। देवताओं के तीसरे वर्ग को पृथ्वी स्थानीय देवता कहा गया है। इस देव तंत्र में सोम अतिप्रतिष्ठित देवता हैं। ऋग्वेद के नौवें मण्डल के अधिकांश सूक्तों के देवता सोम हैं। सोम को सर्वश्रेष्ठ पेय बताया गया है और सर्वश्रेष्ठ औषधि भी। इसी श्रेणी में अग्नि देव भी आते हैं। ऋग्वेद में अग्नि सर्वशक्तिमान बताए गए हैं। बृहस्पति भी पृथ्वी स्थानीय देवता हैं। पृथ्वी भी पृथ्वी स्थानीय देवता हैं। नदियां भी देवता हैं। पूर्वजों के हृदय में पृथ्वी के प्रति माता का भाव है। अथर्ववेद का पृथ्वी सूक्त अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कविता है। कहते हैं कि यहाँ भिन्न भिन्न विचारधाराओं वाले लोग रहते हैं। माता पृथ्वी सबका पोषण करती हैं। दुनिया के तमाम विद्वानों ने पृथ्वी सूक्त की प्रशंसा की है। उत्तर वैदिक काल और महाकाव्यों में भी पृथ्वी की स्तुति है। महाभारत के एक प्रसंग में श्रीकृष्ण पृथ्वी की उपासना करते हैं। वे पृथ्वी से ही पूछते हैं कि आप किस तरह की उपासना से प्रसन्न होती हैं। स्वयं पृथ्वी ने उत्तर दिया कि तुम प्रति दिन चिड़ियों और निराश्रित पशुओं के लिए कहीं भी अन्न डाल दिया करो। मैं इसी में प्रसन्न होती हूँ। पृथ्वी संकट चुनौतीपूर्ण है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी का अस्तित्व संकट में है। उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव में हमेशा बर्फ जमी रहती है। वह बर्फ पिघल रही है। पृथ्वी के एक भूखंड में खनिज, तेल और गैस भारी मात्रा में हैं। खनिज सम्पदा और गैस पाने के लिए तमाम देश लालायित रहते हैं। लेकिन वे पृथ्वी के अस्तित्व को बचाने की चिंता नहीं करते। अधिक बर्फ पिघलने से समुद्र का स्तर ऊपर जाएगा। दुनिया खतरे में होगी। अंधाधुंध औद्योगिक विकास समस्या है। नगरीकरण सुनियोजित योजना के अनुसार नहीं है। अनियोजित नगरीकरण से पर्यावरण का संकट बढ़ा है और जल, वायु प्रदूषण भी। हिन्दू अनुभूति के अनुसार पृथ्वी, जल, वायु, नदी, वनस्पति और सभी प्राणियों के संरक्षण से देवता प्रसन्न होते हैं। संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में मिस्त्र के शर्म अल शेख, इसके पहले स्कॉटलैण्ड के ग्लास्गो में भी सम्मेलन हुए थे। ब्राजील के रिओ डी जेनेरिओ नगर में पहला पृथ्वी सम्मेलन हुआ था। लेकिन अब तक के सारे आयोजन बेनतीजा रहे हैं। पृथ्वी माता व्यथित भयग्रस्त है। भूकम्प इसी के परिणाम हैं

उपनिषद के ऋषियों ने वायु को प्रत्यक्ष ब्रह्म कहा है। यूनानी दार्शनिक अनक्सीमनस ने वायु को सृष्टि का आदि तत्व बताया है। उपनिषदों में रैक्व ने राजा जानश्रुति को वायु की महत्ता बताई है लेकिन वायु विषाक्त और व्यथित हैं। यह बेचैनी तूफानों में प्रकट होती है। जल अशांत हैं। अतिवृष्टि अनावृष्टि इसी का परिणाम हैं। एक वैदिक मंत्र में स्तुति है, पृथ्वी शांत हों। अंतरिक्ष शांत हों। जल शांत हों। वनस्पतियां औषधियां शांत हों। शांति हमें शांति दें। हिन्दू जीवन स्वाभाविक ही पर्यावरण प्रेमी है। पृथ्वी के सभी घटकों का संरक्षण राष्ट्रीय कर्तव्य है। गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को बताया, अन्न से प्राणी हैं। अन्न वर्षा से होता है।

> "कहते हैं कि यहाँ भिन्न भिन्न विचारधाराओं वाले लोग रहते हैं। माता पृथ्वी सबका पोषण करती हैं। दुनिया के तमाम विद्वानों ने पृथ्वी सूक्त की प्रशंसा की है। उत्तर वैदिक काल और महाकाव्यों में भी पृथ्वी की स्तुति है। महाभारत के एक प्रसंग में श्रीकृष्ण पृथ्वी की उपासना करते हैं। वे पृथ्वी से ही पूछते हैं कि आप किस तरह की उपासना से प्रसन्न होती हैं"

जनजातीय गौरव को बढ़ावा देने में अग्रणी मध्य प्रदेश

लोकेन्द्र सिंह

जनजातीय गौरव को बढ़ाने के साथ जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। विगत 20 वर्षों में जनजातीय योजनाओं का बजट 1000 प्रतिशत बढ़ा है। मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जहाँ जनजातीय समुदाय के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण के लिए पेसा कानून को लागू किया गया है। मध्य प्रदेश की सरकार ने जनजातीय नायकों का गौरव बढ़ाने के लिए उनसे जुड़े स्मारकों का आगे बढ़कर विकास किया है। राजा शंकरशाह और रघुनाथ शाह, रानी कमलापति, रानी दुर्गावती, टंट्या मामा और भीमा नायक से लेकर कई नायकों के योगदान से लोगों को परिचित कराने के उल्लेखनीय कार्य किए हैं। मंडला के मेडिकल कॉलेज का नाम बलिदानी हृदयशाह के नाम पर किया गया। वहीं, छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय का नाम ह्यराजा शंकरशाह विश्वविद्यालय किया। हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदल कर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन किया गया। जबलपुर में 100 करोड़ की लागत से रानी दुर्गावती स्मारक को विकसित किया जा रहा है। मध्य प्रदेश के बजट का अध्ययन करें तो ध्यान आएगा कि 2003-04 में जनजातीय कार्य विभाग का बजट 746.60 करोड़ रुपये था। जनजातीय समुदाय के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं को बजट की कमी का सामना न करना पड़े, इसके लिए भाजपा सरकार ने सबसे पहला काम यही किया कि जनजातीय कार्य विभाग के बजट में लगातार बढ़ोतरी की। वर्ष 2003-04 के मुकाबले वर्ष 2023-24 में जनजातीय कार्य विभाग का बजट 1000 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11,768 करोड़ रुपये का हो गया है। इस बजट का उपयोग जनजातीय वर्गों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, रोजगार एवं अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं के साथ विकास कार्यों को गति देने में किया गया है। विद्यार्थियों को शिक्षा के समुचित अवसर एवं आर्थिक सहयोग के साथ ही सरकार की ओर से रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण भी दिलाया जा रहा है। कम्प्युटर कौशल सिखाने के साथ जनजातीय युवाओं को पुलिस और सेना में भर्ती का प्रशिक्षण देने का काम भी मध्य प्रदेश में किया जा रहा है। जनजातीय वर्गों के उत्थान एवं सशक्तिकरण के लिए आहार अनुदान योजना, सिकल सेल उन्मूलन मिशन, मुख्यमंत्री राशन आपके द्वार ग्राम, देवारण?य, अनुसूचित जनजाति ऋण विमुक्ति अधिनियम-2020, मिलेट मिशन, प्रधानमंत्री वन-धन योजना, आकांक्षा योजना, प्रतिभा योजना, आवास सहायता योजना, विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति, प्री एवं पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति, अखिल भारतीय सेवाओं के लिए कोचिंग एवं प्रोत्साहन तथा जनजातीय लोक कलाकृतियों एवं उत्पादों की जीआई टैगिंग जैसे कदम मध्य प्रदेश में उठाए गए हैं। जनजातीय गौरव दिवस पर यह अवश्य याद रखना चाहिए कि अभारतीय ताकतों ने अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र के अंतर्गत जनजातीय समुदाय को भ्रमित करने के लिए 9 अगस्त को वर्ल्ड इंडिजिनियस पीपल्स डे को आदिवासी दिवस कहकर भारत में बढ़ावा दिया, जबकि इस दिन का भारत और जनजातीय गौरव के साथ कोई संबंध नहीं है। वास्तव में यह तो दुःखद त्रासदी की शुरूआत का दिन है। ब्रिटिश सेना ने अमेरिका के मूल निवासियों का नरसंहार किया। बाद में, उसके अपराध बोध से मुक्त होने के लिए वर्ल्ड इंडिजिनियस पीपुल्स डे के रूप में 9 अगस्त को चुना गया। यहाँ यह भी ध्यान रखें कि वैश्विक षड्यंत्र के अंतर्गत ही वर्ल्ड इंडिजिनियस पीपल्स डे का अनुवाद विश्व आदिवासी दिवस के रूप में किया गया है।

वास्तविकता यह है कि संयुक्त राष्ट्र ने अब तक इंडिजिनियस पीपुल की स्पष्ट परिभाषा तक नहीं की है। यही कारण है कि जब 1989 में विश्व मजदूर संगठन द्वारा राइट्स ऑफ इंडिजिनस पीपल कन्वेन्शन क्रमांक-169 घोषित किया गया, तब उसे विश्व के 189 में से केवल 22 देशों ने ही स्वीकार किया। इसका मुख्य कारण इंडिजिनस पीपल शब्द की परिभाषा को स्पष्ट नहीं करना ही था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने भारत माता के महान बेटे बिरसा मुंडा की जयंती (15 नवंबर) को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मान्यता देकर प्रशंसनीय कार्य किया। जनजाति वर्ग के इस बेटे ने भारत की सांस्कृतिक एवं भौगोलिक स्वतंत्रता के लिए महान संघर्ष किया और बलिदान दिया। अपनी धरती की रक्षा के लिए उन्होंने विदेशी ताकतों के साथ जिस ढंग से संघर्ष किया, उसके कारण समूचा जनजाति समाज उन्हें अपना भगवान मानने लगा। उन्हें धरती आबा कहा गया।

ट्रम्प की जीत और भारत-अमेरिका संबंध

सुरेश हिंदुस्तानी

व्हाइट हाउस में ट्रम्प की वापसी किसी चमत्कार से कम नहीं है। 130 वर्ष के अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है, जब किसी ने यह कारनामा किया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने लगातार तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा, जिसमें पहली और तीसरी बार वे सफल रहे, दूसरी बार के चुनाव में जो बाइडेन से पराजित हो गए। इस चुनाव में पराजित होने के बाद ट्रम्प अमेरिका में राजनीतिक तौर पर लगातार सक्रिय रहे। उनका मिशन फिर से राष्ट्रपति बनना ही था, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम देकर एक नया कीर्तिमान बनाया। चुनाव में उनकी प्रतिद्वंदी कमला हैरिस यकीनन राजनीतिक समझ रखती थी, लेकिन यह समझ किसी भी प्रकार से सफलता की परिचायक नहीं बन सकी। हालांकि अमेरिकी मीडिया के एक वर्ग ने तो उनको भावी राष्ट्रपति के रूप में प्रचारित कर दिया। लेकिन यह नैरेटिव भी उनके लिए जीत का मार्ग नहीं बना सका। यहां एक खास तथ्य यह भी माना जा सकता है कि कमला हैरिस को भारतीय मूल का बताने का सुनियोजित प्रयास किया गया। ऐसा इसलिए किया गया कि भारतीय मूल के मतदाताओं को उनके पक्ष में लाया जा सके, लेकिन वे जिन हाथों में खेल रही थी, वह लाइन भारत के लिए राजनीतिक तौर सही नहीं थी। वैश्विक राजनीति के जानकार डोनाल्ड ट्रम्प की जीत कई निहितार्थ निकाल रहे हैं। कई विश्लेषक ट्रम्प की जीत को भारत की कूटनीतिक सफलता के तौर पर भी स्वीकार कर रहे हैं। इसका एक कारण यह माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत सरकार जिस नीति और विचार को लेकर कार्य कर रही है, उसकी झलक ट्रम्प के विचारों में भी दिखाई देती है। इसके अलावा ट्रम्प का कहना है कि अमेरिका की खोई ताकत को फिर से प्राप्त करना चाहते हैं। आज अमेरिका कहने मात्र को ही महाशक्ति है, लेकिन उसका वैसा दबदबा आज नहीं है, जो पहले हुआ करता था। इस बीच भारत ने महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अपने कदम बढ़ाए हैं, इसलिए आज विश्व के अनेक देश भारत को महाशक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हमें स्मरण होगा कि रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के दौरान भारत के नागरिक पूरे सम्मान के साथ भारत लौटे थे। उस समय भारत के नागरिकों के समक्ष यूक्रेन की सेना ने अपने हथियार नीचे कर लिए थे। यह केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि भारत की शक्ति का ही परिचायक था। भारत की इस बढ़ती शक्ति से अमेरिका भी भली-भांति परिचित है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में कई बार यह कहा जा चुका है कि भारत चाहे तो युद्ध रुकवा सकता है। इसका तात्पर्य यही है कि आज का भारत विश्व के लिए एक ताकत बन चुका है। अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रम्प की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए। यहां तक कि उनको सनकी और विलेन कहने में भी गुरेज नहीं किया गया। यही तो भारत में किया गया। वामपंथी समूह ने भारत के लोकसभा चुनाव में सरकार के विरोध में जहरीली भाषा का प्रयोग किया। फिर भी नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो गए। अब ऐसा लगने लगा है कि मतदाता बहुत समझदार हो गया है। उसको किसी भी प्रकार से भ्रमित नहीं किया जा सकता। उसे अब देश-दुनिया की समझ हो गई है, इसलिए वह वर्तमान के साथ कदम मिलाकर चलने की ओर अग्रसर हुआ है।

विश्व के कई देश आज कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। कोरोना के बाद कई देशों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है, उसे पटरी पर लाने के लिए उस देश की सरकार की ओर से भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। इन समस्याओं में कई समस्याएं ऐसी हैं, जो सबके सामने हैं। आतंकवाद एक विकराल समस्या बनता जा रहा है। अमेरिका भी इससे ग्रसित है। रूस और यूक्रेन की बीच तनातनी कम नहीं हो रही। इजराइल और हमास के बीच युद्ध जैसे हालात हैं। अमेरिका में ट्रम्प के पुनः राष्ट्रपति बनने के बाद यह लग रहा है कि अब आतंक के सहारे भय का वातावरण बनाने वाले किसी भी कदम को पूरे जोश के साथ रोकने का प्रयास किया जाएगा।

अमेरिका में ट्रम्प की जीत से भारत के पड़ोसी देश यानी पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश में सुगबुगाहट प्रारम्भ हो गई है, क्योंकि यह देश भारत को हमेशा अस्थिर करने की फिराक में रहते हैं। हम वह वाकिया अभी तक भूले नहीं हैं, जब अमेरिका ने आतंक के विरोध में बड़ी कार्यवाही को अंजाम देते हुए ओसामा बिन लादेन को मौत के घाट उतार दिया था, हालांकि उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा थे, लेकिन आतंक के विरोध में ट्रम्प का भी वैसा ही रवैया माना जा सकता है। इसी प्रकार चीन के समक्ष भी स्थिति पैदा होती दिखाई दे रही है। हम जानते हैं कि अमेरिका हमेशा से ही पाकिस्तान से आतंक के खिलाफ कार्रवाई करने को कहता है, लेकिन जो देश आतंक के आकाओं के सहारे ही चल रहा हो, वह आतंक के खिलाफ कार्रवाई कैसे कर सकता है। अब अमेरिका में ट्रम्प के पुनः आने के बाद इस बात की संभावना बढ़ गई है कि अब पाकिस्तान दिखावे के लिए ही सही, लेकिन आतंक के आकाओं के खिलाफ एक्शन लेगा।

भारत और नेपाल के बीच सदियों से सांस्कृतिक एवं अध्यात्मिक आस्था का संगम होगा-जयवीर सिंह

लखनऊ : नेपाल में 07 से 10 दिसंबर तक प्रथम इंडिया-नेपाल टूरिज्म मार्ट का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के प्रचार-प्रसार के लिए पर्यटन विभाग के अधिकारी, टूर-ट्रैवल ऑपरेटर्स की टीम नेपाल गई थी। दल ने 07 से 09 दिसंबर के बीच पशुपतिनाथ मंदिर, दरबार स्क्वायर, चंद्रगिरि हिल्स, जनकपुर में भ्रमण किया। भारत और नेपाल के बीच सदियों से सांस्कृतिक एवं अध्यात्मिक आस्था का संगम होगा।

यह जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि महाकुंभ के मद्देनजर आगंतुकों के लिए कई विशेष पैकेज तैयार किए गए हैं। ये पैकेज न केवल प्रयागराज बल्कि वाराणसी, अयोध्या और चित्रकूट जैसे अन्य पवित्र स्थलों की यात्रा की भी सुविधा प्रदान करेंगे। श्रद्धालुओं को अखाड़ा अनुभव, कल्पवासी अनुभव और योग व ध्यान सत्र जैसे अद्वितीय अनुभव प्राप्त होंगे, जो एक संपूर्ण आध्यात्मिक यात्रा का एहसास देंगे। पर्यटकों के ठहरने के लिए उत्तम व्यवस्था की जा रही है। टेंट सिटी तैयार हो रही है, जहां पर्यटकों को अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी।

हवाई दृश्य दिखाने के लिए रोमांचक हेलीकॉप्टर जॉयराइड की सुविधा उपलब्ध कराने की भी तैयारी है।

श्री जयवीर सिंह ने बताया कि संगम क्षेत्र में हम दो बड़े फूड कोर्ट स्थापित कर रहे हैं। ये फूड कोर्ट घरेलू और अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों की पसंद के अनुसार उच्च गुणवत्ता वाले विभिन्न व्यंजन पेश करेंगे। एक डिजिटल कुंभ संग्रहालय विकसित किया जा रहा है, जहां आगंतुक समुद्र मंथन जैसी घटनाओं के ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व को जान सकेंगे। इसके अलावा, संगम के पास वॉटर लेजर शो और नैनी ब्रिज पर भव्य रोशनी की योजना पर भी काम हो रहा है।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम, कृष्ण और भगवान बुद्ध की धरती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यहीं भगवान शिव के त्रिशूल पर विराजमान काशी है। चित्रकूट, नैमिषारण्य जैसे अनेक पावन तीर्थ स्थल हैं, जहां कम से कम एक बार अवश्य भ्रमण कर अपना जीवन धन्य करना चाहिए। इस दौरान नेपाल सरकार से आग्रह किया गया।

मोटर गैराज से नगदी सहित हजारों का सामान चोरी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित एक मोटर गैराज से नगदी सहित हजारों के सामान की चोरी हो गयी। वैंष्ठट म्योररोड निवासी मो. तोराब ने सिविल लाइंस पुलिस को तहरीर दी है कि वह एकलव्य चौराहे के पास मौटर गैराज संचालित करता है। दीवार फांदकर गैराज में तीन चोर घुस गये। वहां सेएयर कम्प्रेशर मोटर, वाटर प्रेशर मोटर, गैराज के कार्यालय का शीशा तोड़कर गल्ले में रखे तीन हजार रुपये, दस लीटर मोबिल, वाहन बनाने के औजार चोरी कर ले गये। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद है। घटना २५ नवंबर की है। पुलिस अब एफआईआर दर्ज कर चोरों की तलाश में जुट गयी है।

ई-रिक्शा चोरी, खटाल संचालक नामजद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र स्थित एक खटाल से ई-रिक्शा चोरी हो गया। पीड़िता ने खटाल संचालक शमीम अहमद के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी है। अशोकनगर नेवादा निवासी कंचन देवी ने पुलिस को तहरीर दी है कि पीड़िता के दो ई-रिक्शे है। चार्जिंग व रखने के लिए पीड़िता दो सौ रुपये प्रतिदिन के हिसाब से एकांगी कुंज के पास शमीम अहमद के खटाल में खड़ा करती थी। जिसमें से एक ई-रिक्शा चोरी हो गया। आरोप है कि उसका ई-रिक्शा खटाल संचालक ने ही गायब किया है।

वैष्ठटरिंग एवं रेस्टोरेंट के नाम पर १६.२० लाख की धोखाधड़ी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सिविल लाइंस थाने में दो नामजद, जांच में जुटी पुलिस
सुबेदार रेलवे स्टेशन पर एक वैष्ठटरिंग और रेल गेट पर रेस्टोरेंट देने का वादा कर एक व्यक्ति से १६२०७६८ रुपये की ठगी का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित की तहरीर पर सिविल लाइंस पुलिस मनीष कुमार दुबे प्रोपराइटर मेसर्स बून एन जील एवं राजेन्द्र प्रसाद प्रोपराइटर ओजस इन्टर प्राइजेज पर एफआईआर दर्ज कर जांच कर रही है।

कौंधियारा के काटी दगवां गांव निवासी अरूण कुमार शुक्ल ने पुलिस को तहरीर दी है कि पीड़ित की के छोटे भाई मनीष कुमार शुक्ला जो रेलवे में ठेकेदार है। उसके माध्यम से मनीष कुमार दुबे और राजेन्द्र प्रसाद से मुलाकात हुई। सिविल लाइंस स्थित डीआरएम कार्यालय के पास मुलाकात होने पर उक्त ने सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर एक वैंष्ठटरिंग और रेल गेट पर रेस्टोरेंट देने का वादा किया। आरोप है कि पीड़ित ने मनीष कुमार दुबे की कंपनी के खाते में ६.५४ लाख रुपये तथा स्टाल के बनवाने का खर्च और वैष्ठश के माध्यम से टोटल ९.६६ लाख रुपये दे दिये। अब पीड़ित को न वैष्ठटरिंग दिया जा रहा और न ही रेस्टोरेंट। रुपये मांगने पर हीलाहवाली की जा रही है। आरोप है कि १८ नवंबर को बस स्टेशन के पास पैसे देने के लिए बुलाया गया वहां पर गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी दी गयी। सिविल लाइंस पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

पूर्व पार्षद ने ठेकेदार पर दर्ज करायी मारपीट की एफआईआर

ठेकेदार ने भी उधारी मांगने पर हमले का लगाया आरोप

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र के ग्रीन कालोनी निवासी पूर्व पार्षद फजल खान ने नगर निगम के ठेकेदार रज्जाक, मुर्तजा, कुद्दूस सहित अन्य पर रंगदारी, हमले सहित अन्य धाराओं में सिविल लाइंस थाने में एफआईआर दर्ज करायी है। वहीं ठेकेदार रज्जाक ने पूर्व पार्षद फजल खान के खिलाफ करेली थाने में शुक्रवार को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि वह उधारी रुपये मांगने गया था तो उस पर जान लेवा हमला किया गया। सीसीटीवी वैष्ठमरे से जांच की मांग की थी। पुलिस तहरीर की जांच कर रही है। करेली निवासी पूर्व पार्षद फजल खान ने पुलिस को तहरीर दी है कि वह शुक्रवार की शाम करीब छः बजे अवर अभियन्ता दद्दू सिंह के कमरे में बैठा था। आरोप है कि तभी रज्जाक सहित उक्त लोग आये और जान से मारने की नियत से हमला कर दिया। आरोप है कि रज्जाक ने कहा कि दस लाख रुपये की रंगदारी दो यदि रुपये नहीं दिये तो नगर निगम नहीं आ पाओगे और जान से मार दिये जाओगे। मारपीट से पीड़ित जख्मी हो गया। वहीं आरोपित रज्जाक ने भी शुक्रवार को करेली थाने में पूर्व पार्षद पर उधारी के २५ हजार रुपये मांगने पर जानलेवा हमले की तहरीर दी है। सिविल लाइंस पुलिस का कहना है कि एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

शिव सेना शिंदे गुट के कौशाम्बी जिलाध्यक्ष नियुक्त हुए मुकेश कुमार त्रिपाठी

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिले के मंझनपुर तहसील क्षेत्र के दानपुर निवासी पूर्व पत्रकार मुकेश त्रिपाठी को शिव सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री तथा वर्तमान उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेश तथा प्रदेश अध्यक्ष अभय द्विवेदी के नेतृत्व द्वारा शिव सेना शिंदे गुट का कौशाम्बी जिला अध्यक्ष नियुक्त किया जिसमे अस्थाई कार्यलय कटरा में प्रदेश सचिव युवा मोर्चा शिवपूजन द्विवेदी तथा जिला प्रभारी प्रमोद पांडेय के द्वारा नियुक्ति पत्र देते हुए माल्यार्पण कर बधाई दी,जिलाध्यक्ष बनने पर मुकेश त्रिपाठी ने कहा कि मैं प्रदेश एवं राष्ट्रीय नेतृत्व का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं और मैं उनके विश्वास पर खरे उतरते हुए पार्टी को आगे बढ़ाने एवं इसके हित के लिए सदैव तत्पर रहते हुए निष्ठावान रहूंगा। इस अवसर पर संगठन के जिला कार्यकर्ता सदस्य प्रत्यूष पाठक, सदस्य संतलाल श्रीवास्तव, सदस्य राहुल द्विवेदी, सदस्य धर्मराज पासी, संजीव कुमार चौरसिया, राकेश मिश्रा, नीरज कुमार मिश्रा के साथ अन्य फूलचंद्र मिश्रा गोपाल वर्मा,विजय मिश्रा,कृष्णा पाल, मोहम्मद वसीम आदि सकैड़ो लोग मौजूद रहें।

पुलिस आयुक्त ने निरीक्षण कर दिए दिशा निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 की तैयारियों व प्रधानमंत्री के जनपद में प्रस्तावित आगमन को लेकर पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने संगम क्षेत्र में निर्मित केन्द्रीय चिकित्सालय, वीवीआईपी घाट, प्रमुख मार्गों तथा कार्यक्रम स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए। भ्रमण के दौरान अपर पुलिस आयुक्त प्रयागराज एन कोलांची, मेलाधिकारी विजय किरन आनंद, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार व अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षक नेता वीएस श्रीवास्तव बने स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड एंबेसडर

बहराइच। राजकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय प्रवक्ता तथा प्रबुद्ध समाजसेवी वीएस श्रीवास्तव को नगर पालिका परिषद बहराइच की अध्यक्ष प्रमिता सिंह की ओर से स्वच्छ भारत मिशन का ब्रांड एंबेसडर नामित किया गया है। मंगलवार को अधिशासी अधिकारी की ओर से उन्हें अपने कार्यालय में आमंत्रित कर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मालूम हो कि शिक्षक नेता श्री श्रीवास्तव लंबे समय तक राजकीय इंटर कालेज बहराइच में अंग्रेजी प्रवक्ता के रूप में अपनी सेवाएं देने के बाद सेवा निवृत हुए हैं और अभी भी राजकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय प्रवक्ता के रूप में शिक्षक हितों के लिए संघर्षरत हैं। श्री श्रीवास्तव ने घसियारी पुरा मोहल्ले को जलभराव मुक्त कराए जाने के लिए बहराइच में नगर पालिका तथा कलेक्ट्रेट से लेकर लखनऊ में सत्ता के गलियारे तक जोरदार पैरवी की और लाइलाज हो चुकी समस्या से मोहल्लावासियों को मुक्त कराया।

इसके अतिरिक्त मोहल्ले की जर्जर विद्युत व्यवस्था को भी दुरुस्त करने के लिए मुख्यमंत्री के आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत करने के साथ शासन स्तर पर पैरवी की और इस दिशा में भी अपेक्षित सफलता प्राप्त की। उनके इस प्रयास की जहां मोहल्लावासी मुक्त कंठ से सराहना कर रहे हैं।

सर्दी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए सड़क हादसों पर अंकुश लगाने की कवायद तेज

डीएम की अध्यक्षता में हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक, ट्रैक्टर ट्रालियों पर रिफ्लेक्टर लगाने तथा अन्य जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश

बहराइच। सर्दी के **बढ़ते प्रभाव को** देखते हुए सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी मोनिका रानी ने पुलिस, परिवहन व अन्य सम्बन्धित विभागों को निर्देश दिया कि शीत ऋतु के कारण सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली वृद्धि की रोकथाम हेतु समस्त वाहनों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगवाये जायें। ट्रैक्टर ट्रालियों के कारण होने वाली मार्ग दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने के दृष्टिगत डीएम ने चीनी मिल के आस-पास के क्षेत्रों में विशेष सर्तकता बरतने तथा ईंट भट्ठा व गन्ना की ढुलाई में प्रयुक्त होने वाले ट्रैक्टर ट्रालियों में प्रमुखता के साथ रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगवाये जाने के निर्देश दिये।

डीएम ने निर्देश दिया कि शीत ऋतु में सड़क के किनारे खड़े वाहन सड़क दुर्घटना का कारण न बने इसके लिए यह सुनिश्चित किया जाय कि सड़क की पटरियों पर बेतरतीब वाहन न खड़े किये जायें। डीएम ने सभी सम्बन्धित विभागों को निर्देश दिया कि सड़क दुर्घटना होने पर मौके पर जाकर तत्काल परीक्षण एवं निरीक्षण कर फोटोग्राफी सहित आख्या उपलब्ध करायें जिसमें उक्त स्थान पर विगत वर्षों में हुई सड़क दुर्घटनाओं का विवरण भी शामिल होना चाहिए। बैठक में उपस्थित पुलिस अधीक्षक बृंदा शुक्ला ने पुलिस व परिवहन विभाग को निर्देश दिया कि निरन्तरता के साथ प्रवर्तन अभियान संचालित कर लोगों को हेलमेट के साथ टू व्हीलर चलाने, ओवर स्पीडिंग से बचने, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने के साथ-साथ चार पहिया वाहन चलाने वालों को सील्ट बेल्ट बांधने तथा यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करते रहने के निर्देश दिए।

डीएम ने कार्यालय नियत प्राधिकारी विनियमित क्षेत्र के अवर अभियन्ता को निर्देश दिया कि परियोजना अधिकारी नेडा से समन्वय कर मरीमाता चौराहे पर हाईमास्ट सोलर लाईट की स्थापना करायें। डीएम ने लोक निर्माण, एनएनएआई व एनएच विभाग को निर्देश दिया कि जिले के चिन्हित ब्लैक स्पाट पर मानक के अनुसार सुरक्षात्मक व सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करायें जिससे मार्ग दुर्घटनाओं में कमी लाकर लोंगो की बेशकीमती जान की सुरक्षा हो सके। डीएम ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बहराइच को निर्देश दिया कि टैक्सी स्टैण्ड संचालन हेतु उपयुक्त स्थल का चयन कर आख्या उपलब्ध कराएं।

बैठक का संचालन जिला सड़क सुरक्षा समिति के सचिव/अधि.अभि. लो.नि.वि. प्रदीप कुमार ने किया।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक वृन्दा शुक्ला, अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव, एआरटीओ प्रशासन राजीव कुमार व प्रवर्तन के ओपी सिंह, अधिशासी अभियंता एनएचएआई, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

सड़क हादसे में एक वर्ष के भीतर 283 लोगों ने गंवाई जान, 610 लोग हुए घायल

बहराइच। जिले में सड़क हादसों का ग्राफ काफी बढ़ गया है। जिसके चलते एक वर्ष में 283 लोगों की मौत हो गई। वहीं 610 लोग घायल हुए हैं। इसका मुख्य कारण ब्लैक स्पॉट चिन्हित होने के बाद भी संकेतांक न लगना है। लेकिन यातायात और सहायक संभागीय परिवहन विभाग सिर्फ कागजों पर ही हादसे रोकने के उपाय करता दिख रहा है।

तराई बहराइच जनपद हादसों का जिला बनता जा रहा है। जिसका नतीजा है कि बीते एक वर्ष में 283 लोग काल के मुंह में समा गए। किसी ने बेटा तो किसी ने अपना भाई तो किसी ने पिता तो किसी ने अपना पति सड़क हादसो में खो दिया। इतना ही नहीं एक वर्ष में सड़क हादसों 610 से अधिक लोग घायल भी हुए हैं। इनमें कुछ लोग पूरी तरह से अपाहिज बन गए हैं। लेकिन हादसों पर अंकुश के लिए सिर्फ कागजों पर ही कार्रवाई चल रही है। यह हम नहीं बल्कि पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा चिन्हित ब्लैक स्पॉट बता रहे हैं।

ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर लिए गए हैं, लेकिन वहां पर दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र का जागरूकता बोर्ड नहीं लगाया गया है। जिसके चलते हादसों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है।

सड़क हादसे में एक वर्ष के भीतर 283 लोगों ने गंवाई जान, 610 लोग हुए घायल

14 दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र निर्धारित, डीएम के निर्देश के बावजूद नहीं लगाए गए जागरूकता संदेश

बहराइच। जिले में सड़क हादसों का ग्राफ काफी बढ़ गया है। जिसके चलते एक वर्ष में 283 लोगों की मौत हो गई। वहीं 610 लोग घायल हुए हैं। इसका मुख्य कारण ब्लैक स्पॉट चिन्हित होने के बाद भी संकेतांक न लगना है। लेकिन यातायात और सहायक संभागीय परिवहन विभाग सिर्फ कागजों पर ही हादसे रोकने के उपाय करता दिख रहा है।

तराई बहराइच जनपद हादसों का जिला बनता जा रहा है। जिसका नतीजा है कि बीते एक वर्ष में 283 लोग काल के मुंह में समा गए। किसी ने बेटा तो किसी ने अपना भाई तो किसी ने पिता तो किसी ने अपना पति सड़क हादसो में खो दिया। इतना ही नहीं एक वर्ष में सड़क हादसों 610 से अधिक लोग घायल भी हुए हैं। इनमें कुछ लोग पूरी तरह से अपाहिज बन गए हैं। लेकिन हादसों पर अंकुश के लिए सिर्फ कागजों पर ही कार्रवाई चल रही है।

यह हम नहीं बल्कि पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा चिन्हित ब्लैक स्पॉट बता रहे हैं।

ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर लिए गए हैं, लेकिन वहां पर दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र का जागरूकता बोर्ड नहीं लगाया गया है। जिसके चलते हादसों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। जिले में 23 दुर्घटना बाहुल्य ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं। जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग पर 14 दुर्घटना बाहुल्य ब्लैक स्पॉट्स चिन्हित हुए हैं। लेकिन डीएम के बार बार संदेश के बाद भी यहां पर जागरूकता बोर्ड नहीं लगाए जा रहे हैं। ऐसे में सड़क हादसे कैसे रुके, यह सवाल सभी के मन में उठ रहा है।

इस मामले में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राजीव कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि जागरूकता कार्यक्रम के द्वारा लोगों को निर्धारित स्पीड में वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया जाता है। साथ ही नशे में लोग वाहन न चलाएं इसके लिए भी जागरूक किया जा रहा है।

ड्रोन दीदियों आदि की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए प्रभावी कदम उठाये जांय :केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के उच्चाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम्य विकास विभाग के बजट का समय से सदुपयोग किया जाना सुनिश्चित किया जाए। इसकी लगातार समीक्षा व अनुश्रवण किया जाए। विकास कार्यों की रफ्तार और तेज की जाय, बजट का समय से सदुपयोग किया जाय। महाकुंभ में ग्रामीण विकास विभाग की सभी शाखाओं के स्टाल लगाए जांय। केशव प्रसाद मौर्य मंगलवार को अपने कैम्प कार्यालय 7- कालिदास मार्ग पर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विकास कार्य धरातल पर स्पष्ट रूप से नजर आने चाहिए।ग्राम्य विकास विभाग में सभी खाली पदों को भरने की प्रभावी कार्यवाही की जाय। मैनपावर की कमी नहीं रहनी चाहिए। कहा कि ग्राम चौपालों को और अधिक प्रबल व प्रभावी रूप से सफल बनाया जाय कहा कि पीएमजीएसवाई की सड़कों को शत प्रतिशत एफडीआर

तकनीक पर ही बनाने की कार्यवाही की जाय।ग्राम्य विकास विभाग की वेबसाइट पर सूचनाएं अपडेट रखी जांय।समूहों के उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने, उनकी बिक्री कराने के लिए उचित प्लेटफार्म दिलाने के प्रभावी प्रयास किये जांय।मुख्यालय में अधिकारियों की मजबूत टीम रखी जाय।ग्राम्य विकास विभाग की विशेष उपलब्धियों का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार कराया जाय।सभी तरह के कार्मिक के मानदेय व अन्य देयों का समय से भुगतान सुनिश्चित किया जाय।कहा कि बीसी सखी, विद्युत सखी, कृषि सखी , ड्रोन दीदियों आदि की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए प्रभावी कदम उठाये जांय। निर्देश दिए कि विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण किये जांय और प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। कहा कि विकास कार्य धरातल पर स्पष्ट रूप से नजर आने चाहिए।

कहा कि महाकुंभ में ग्रामीण विकास विभाग की सभी शाखाओं के स्टाल लगाए जांय। उन्होंने कहा कि समूह की दीदियों के सभी जनपदों के स्टाल/प्रदर्शनी लगाई जाय और समूहों की उच्च गुणवत्ता के उत्पादों को प्रदर्शित की जाय

402 व्यक्तियों के बैंक खातों में भेजी गई रू. 86.52 लाख की सहायता राशि

बहराइच। विभिन्न आपदाओं अन्तर्गत जिले के 402 व्यक्तियों के बैंक खातों में धनराशि रू. 86 लाख 52 हजार 144 सम्बन्धित के बैंक खातों में 10 दिसम्बर 2024 को हस्तान्तरित की गई है। यह जानकारी जिलाधिकारी मोनिका रानी ने दी। उन्होंने बताया कि तहसील नानपारा अन्तर्गत बाढ़ आपदा के सम्बन्ध में नदी के कटान से प्रभावित क्षेत्रफल के सापेक्ष 285 व्यक्तियों के बैंक खाते में रू. 22 लाख 65 हजार 827, तहसील कैसरगंज अन्तर्गत नदी के कटान से प्रभावित क्षेत्रफल के सापेक्ष 10 व्यक्तियों के बैंक खाते में रू. 02 लाख 27 हजार 047 तथा तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) अन्तर्गत नदी के कटान से प्रभावित क्षेत्रफल के सापेक्ष 15 व्यक्तियों के बैंक खाते में रू. 01 लाख 19 हजार 770 इस प्रकार 310 व्यक्तियों के बैंक खातों में धनराशि रू. 26 लाख 12 हजार 644 कृषि निवेश अनुदान सहायता के रूप अन्तरित की गई है।

इसी प्रकार तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) अन्तर्गत अग्निकाण्ड के सम्बन्ध में 05 व्यक्तियों के बैंक खातों में रू. 29 हजार, तहसील सदर बहराइच अन्तर्गत 03 व्यक्तियों के बैंक खातों में रू. 16 हजार, तहसील नानपारा अन्तर्गत 01 व्यक्ति के बैंक खाते में रू. 05 हजार तथा तहसील कैसरगंज अन्तर्गत 04 व्यक्तियों के बैंक खातों में रू. 26 हजार कुल 13 व्यक्तियों के बैंक खातों में रू. 76 हजार की धनराशि अहेतुक सहायता/गृह अनुदान के रूप में अन्तरित की गई है। इसके अलावा तहसील सदर बहराइच अन्तर्गत अन्य आपदा के सम्बन्ध में 16 व्यक्तियों के बैंक खातों में अहैतुक सहायता/गृह अनुदान सहायता के रूप में रू. 12 लाख 52 हजार, कैसरगंज अन्तर्गत 19 व्यक्तियों के बैंक खातों में अहैतुक/पशु सहायता/गृह अनुदान सहायता के रूप में रू. 09 लाख 68 हजार 500, मिहींपुरवा अन्तर्गत 04 व्यक्तियों के बैंक खातों में अहैतुक सहायता के रूप में रू. 14 लाख 16 हजार, महसी अन्तर्गत गृह अनुदान

\सहायता के रूप में 12 व्यक्तियों के बैंक खातों में रू. 48 हजार व तहसील पयागपुर अन्तर्गत 04 व्यक्तियों के बैंक खातों में रू. 21 हजार, तथा तहसील नानपारा अन्तर्गत 24 व्यक्तियों के बैंक खातों में अहैतुक/पशु सहायता/गृह अनुदान सहायता के रूप में रू. 22 लाख 58 हजार कुल 79 व्यक्तियों के बैंक खातों में रू. 59 लाख 63 हजार 500 की धनराशि अन्तरित की गई है।

श्रीलंका में स्पीकर अशोक रानवाला की डॉक्टरेट की डिग्री पर विवाद, संसद की वेबसाइट ने संशोधन किया

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका में स्पीकर अशोक रानवाला की डॉक्टरेट की डिग्री पर मचे बवाल के बाद संसद की वेबसाइट ने उनके प्रोफाइल में नाम से पहले लिखे गए 'डॉ.' को हटा दिया है। अब उनका नाम अशोका रानवाला सांसद के रूप में दर्ज है। डेली मिरर समाचार पत्र के अनुसार इस बदलाव से उनकी कथित डॉक्टरेट की वैधता पर और संदेह पैदा हो गया है। 'डॉ.' शीर्षक को हटाने के लिए वेबपेज को पिछले 24 घंटों के भीतर अपडेट किया गया। सोशल मीडिया यूजर्स फेसबुक पर इस विवाद के बाद उनकी साख पर सवाल उठा चुका है। चुनाव आयोग के पूर्व चेयरमैन महिंदा देशप्रिया ने भी स्पीकर को अपनी डिग्री साबित करने की चुनौती दी है। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा कि अगर रानवाला ऐसा करने में विफल रहते हैं तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। देशप्रिया ने नेशनल पीपुल्स पावर से भी आग्रह किया कि अगर स्पीकर जवाब नहीं देते हैं तो कार्रवाई की जाए।उल्लेखनीय है कि रानवाला को अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के संबंध में संसद की प्रेस विज्ञप्ति में उन्हें मोरातुवा विश्वविद्यालय से केमिकल इंजीनियरिंग में डिग्री के अलावा वासेदा विश्वविद्यालय, जापान से बायोकैमिस्ट्री में डॉक्टरेट की उपाधि लेने की जानकारी दी गई थी। ताजा विवाद पर स्पीकर ने कोई जवाब नहीं दिया है।

यमन के हौथी समूह ने तीन अमेरिकी सैन्य आपूर्ति जहाजों को निशाना बनाने का दावा किया

सना । यमन के हौथी समूह ने जिबूती बंदरगाह से रवाना होने के बाद तीन अमेरिकी सैन्य आपूर्ति जहाजों को निशाना बनाने का दावा किया। हौथी सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने एक टेलीविजन बयान में कहा, हमने अदन की खाड़ी में दो अमेरिकी विध्वंसक जहाजों को भी निशाना बनाया, जो आपूर्ति जहाजों की सुरक्षा कर रहे थे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता ने कहा कि उनके समूह ने अभियान में कई रॉकेट और बम से लदे ड्रोन का इस्तेमाल किया। उन्होंने दावा किया कि यह हमला सटीक था। उन्होंने दावा किया, यह 10 दिनों में उन्हीं जहाजों और विध्वंसक जहाजों के खिलाफ दूसरा अभियान है। प्रवक्ता ने यह भी दावा किया कि उनके समूह ने मंगलवार सुबह इजरायल के जाफा और अश्कलोन क्षेत्रों में दो ड्रोनों का उपयोग कर %इजरायली सैन्य ठिकानों% को निशाना बनाया था। हौथी समूह उत्तरी यमन के अधिकांश हिस्से को नियंत्रित करता है। कथित तौर पर इजरायल के साथ चल रहे संघर्ष के बीच गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए समूह नवंबर 2023 से इजरायल की ओर रॉकेट और ड्रोन लॉन्च कर रहा है। वह लाल सागर में इजरायल से जुड़ी शिपिंग को रोक रहा है। जवाब में, जनवरी से ही जलक्षेत्र में तैनात अमेरिकी-ब्रिटिश नौसैनिक गठबंधन ने हौथी ठिकानों पर हवाई हमले और मिसाइल हमले किए हैं, जिसके कारण हौथी हमलों में विस्तार हुआ है। इसमें अमेरिकी और ब्रिटिश कमर्शियल जहाज और नौसैनिक जहाज भी शामिल हो गए हैं।

सड़क दुर्घटना में आठ लोगों की मौत, 5 घायल

काठमांडू। नेपाल के रौतहाट जिले में एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए वाहन में 13 लोग सवार थे। इस वाहन पर तीर्थयात्री सवार थे जो कि बारा जिले में एक मंदिर का दर्शन घर लौट रहे थे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रौताहट जिला पुलिस के सूचना अधिकारी राम कुमार महतो ने बताया, शुरुआती जांच से पता चलता है कि ड्राइवर तेज रफ्तार से गाड़ी चला रहा था जिसकी वजह से वह वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया। महतो ने बताया कि घायलों में से एक की हालत गंभीर है और सभी पीड़ित सिराहा जिले के एक ही गांव के हैं। इससे पहले 29 नवंबर को एक वाहन चट्टान से गिर गया था। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी के अनुसार, जिला पुलिस प्रमुख प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि बागमती प्रांत के रामेछाप जिले में आठ लोगों को ले जा रहा वाहन करीब 300 मीटर नीचे एक चट्टान से गिर गया। पहाड़ी नेपाल में यातायात दुर्घटनाएं आम हैं, जिनमें हर साल सैकड़ों लोगों की जान जाती है।

विद्रोही गुटों ने की सैनिकों के लिए आम माफी की घोषणा

दमिश्क। सीरिया के विद्रोही गुटों ने अनिवार्य सेवा में भर्ती किए गए सभी सैन्य कर्मियों के लिए आम माफी की घोषणा की है। एक बयान में, विद्रोही गुटों के सैन्य अभियान विभाग ने ऐलान किया, हम अनिवार्य सेवा के तहत सभी सैन्य कर्मियों को माफी देते हैं। उन्हें सुरक्षा की गारंटी दी जाती है, और उनके खिलाफ किसी भी तरह की आक्रामकता वर्जित है।

सरकारी समाचार एजेंसी के हवाले से सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि इस माफी को सैन्य कर्मियों को फिर से इकट्ठा करने के व्यापक सुलह प्रयासों के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। ये वो सैनिक हैं, जो बशर अल-असद की सरकार के पतन के दौरान पकड़े गए या भाग गए थे। माफी या इसके प्रभाव के बारे में आगे की जानकारी तुरंत स्पष्ट नहीं थी। बता दें विद्रोही गुटों ने रविवार को सीरियाई राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया था जिसके बाद राष्ट्रपति असद के देश छोड़ कर भाग गए।

टोरंटो में बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास के बाहर हिंदुओं का प्रदर्शन

एजेंसी

टोरंटो। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार से कनाडा में रह रहे भारतीय चिंतित और गुस्से में हैं। उन्होंने आज टोरंटो में बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास के बाहर प्रदर्शन कर हिंदुओं से एकजुटता का आह्वान किया। कनाडा में रहने वाले हिंदुओं के संगठन 'कनाडा हिंदू वॉलंटियर्स'ने एक्स हैंडल पर प्रदर्शन का ब्यौरा देते हुए फोटो कोलाज जारी किया है। 'कनाडा हिंदू वॉलंटियर्स'के एक्स हैंडल पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, बांग्लादेश के कट्टर इस्लामी शासन में हिंदुओं के नरसंहार के विरोध में आज कनाडाई हिंदू समुदाय के सदस्य टोरंटो में बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास के बाहर एकत्र हुए। हिंदू समुदाय के सदस्यों ने प्रदर्शन करते हुए सभी क्षेत्रों के लोगों से न्याय और हिंसा के इस क्रूर चक्र के अंत की लड़ाई में एकजुट होने का आह्वान किया।संगठन ने कहा कि बांग्लादेश में कट्टर इस्लामी मोहम्मद यूनुस के शासन में हिंदुओं को

अभूतपूर्व अत्याचारों का सामना करना पड़ रहा है। धार्मिक आस्था पर प्रहार कर प्राचीन मंदिरों को अपवित्र और नष्ट किया जा रहा है। कई पुजारियों की हत्या कर दी गई या उन्हें जेल में डाल दिया गया। नौकरीपेशा और कामकाजी हिंदुओं को जबरिया बेरोजगार कर आजीविका का साधन छीना जा रहा है। हिंदुओं को लूटा जा रहा है। उनके परिवार की महिलाओं के साथ बलात्कार किया जा रहा है। संगठन ने इस पर दुनिया के तमाशबीन बने रहने पर चिंता जताई है।'कनाडा हिंदू वॉलंटियर्स' का मानना है कि यह सिर्फ एक संकट नहीं है। यह एक समुदाय, एक संस्कृति और एक आस्था को मिटाने का एक व्यवस्थित अभियान है। बांग्लादेश के हिंदू अल्पसंख्यकों को दिया गया दर्द और पीड़ा मानवता की अंतरात्मा पर एक दाग है। संगठन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से निर्णायक कार्रवाई करने का आह्वान किया है। साथ ही सभी कनाडाई लोगों से अपने निर्वाचित अधिकारियों को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर आवाज उठाने का आग्रह किया है। लोगों से कहा गया है कि इस मुद्दे को कनाडा की संसद में उठाने के लिए वह अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों पर जोर डालें। हिंदू संगठन ने कहा कि कनाडा को राजनयिक दबाव और प्रतिबंधों के माध्यम से बांग्लादेशी शासन को जवाबदेह ठहराकर कड़ा स्टैंड लेना चाहिए। बांग्लादेश में हिंदुओं की पीड़ा कोई अकेली त्रासदी नहीं है। यह एक गहरा मानवाधिकार संकट है।

सीरिया में फंसे पाकिस्तान के 350 नागरिक लेबनान पहुंचे

एजेंसी

बेरूत (लेबनान)। सीरिया में फंसे पाकिस्तान के 245 तीर्थयात्रियों सहित लगभग 350 नागरिक लेबनान सीमा पार कर गए । सीरिया में अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार पाकिस्तान के दूतावास ने प्रत्यावर्तन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाया।सीरिया में मिशन के उप प्रमुख उमर हयात पाकिस्तान के नागरिकों के साथ सीमा पर पहुंचे। बेरूत में मिशन के उप प्रमुख नवाब आदिल ने लेबनान

के पतन के बाद पैदा हुए संकट के बाद पाकिस्तान के सैकड़ों तीर्थयात्री अभी भी फंसे हुए हैं।पाकिस्तान के एआरवाई न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, सीरिया में मौजूद पाकिस्तान के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान विदेश कार्यालय ने बयान में कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और विदेशमंत्री सीनेटर मोहम्मद इशाक डार के निर्देशों के तहत दमिश्क में सीमा पर मुल्क के नागरिकों का स्वागत किया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को लेबनानी समकक्ष नजीब मिकाती से संपर्क कर मांगी थी। लेबनान के प्रधानमंत्री मिकाती ने आश्वासन दिया कि उनका देश पाकिस्तान के व्यक्तियों को हर संभव सहायता प्रदान करेगा और उनकी सुरक्षित घर वापसी की सुविधा प्रदान करेगा।

मर्डू फर्नांडो श्रीलंका सुप्रीम कोर्ट की चीफ जस्टिस बनने वालीं दूसरी महिला

एजेंसी

कोलंबो। डॉ. शिरानी भंडारनायके के बाद मर्डू फर्नांडो श्रीलंका सुप्रीम कोर्ट की चीफ जस्टिस बनने वालीं दूसरी महिला बन गई हैं। उन्होंने कल न्याय के स्वतंत्र और निष्पक्ष मध्यस्थ के रूप में देश की न्यायपालिका की अखंडता, स्वतंत्रता और गरिमा को बनाए रखने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की प्रतिज्ञा की। डेली मिरर समाचार पत्र के अनुसार, चीफ जस्टिस मर्डू फर्नांडो ने यह टिप्पणी औपचारिक स्वागत समारोह में की। श्रीलंका सुप्रीम कोर्ट ने देश के 48वें मुख्य न्यायाधीश के स्वागत के लिए समारोह का आयोजन किया। नवनिर्वाचित मुख्य न्यायाधीश मर्डू फर्नांडो का उच्चतम न्यायालय, अपील न्यायालय, उच्च न्यायालयों, जिला न्यायालयों और मजिस्ट्रेट न्यायालयों के न्यायाधीशों ने गर्मजोशी से स्वागत किया गया। चीफ जस्टिस मुर्दु फर्नांडो ने कहा कि वह कानून के शासन को मजबूत करने और एक ऐसी न्यायपालिका का निर्माण जारी रखने के लिए तत्पर हैं जो न केवल निष्पक्ष हो बल्कि लोगों के लिए पारदर्शी, सुलभ और जवाबदेह भी हो। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका, उनके लिए अन्याय के हमले से लोकतंत्र के किले की रक्षा करने वाले सैनिकों की एक सेना के समान है। उन्होंने कहा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं। उन्हें प्रत्येक नागरिक के जीवन में न्याय के महत्व की याद आती है। न्याय मात्र एक आदर्श नहीं है, यह एक जीवित, सांस लेने वाली शक्ति है जो परिवारों, समुदायों और राष्ट्रों को प्रभावित करती है। यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि कानून का शासन बिना किसी डर या पक्षपात के निष्पक्ष और निष्पक्ष रूप से लागू हो।

पूर्व आईएसआई प्रमुख फैज हमीद पर राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप

एजेंसी

रावलपिंडी। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के पूर्व चीफ लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) फैज हमीद पर औपचारिक तौर पर राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। इससे उनके फील्ड जनरल कोर्ट मार्शल (एफजीसीएम) का रास्ता साफ हो गया है। पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने ऐलान किया कि हमीद को राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। रिटायर्ड जनरल को अब डीजी-आईएसआई के रूप में उनकी गतिविधियों को लेकर गंभीर जांच का सामना करना पड़ेगा। हमीद पर यह आरोप भी है कि पाकिस्तान तहरीक-

ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा 9 मई, 2023 को सैन्य प्रतिष्ठानों पर हिंसक हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को उन्होंने सीक्रेट समर्थन दिया। आईएसपीआर की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, 12 अगस्त 2024 को लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद (रिटायर्ड) के खिलाफ पाकिस्तान सेना अधिनियम के प्रावधान के तहत एफजीसीएम की प्रक्रिया शुरू की गई। सबसे पहले उन्हें औपचारिक रूप से राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने, राज्य की सुरक्षा और हित के लिए आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम का उल्लंघन करने, अधिकार और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग और किसी व्यक्ति (व्यक्तियों) को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाने के लिए आरोपित किया गया। आईएसपीआर ने कहा, इस प्रक्रिया के दौरान, राजनीतिक हितों के साथ मिलीभगत के तहत अस्थिरता फैलाने वाली 9 मई 2023 की घटना सहित कई संबंधित घटनाओं में लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद के शामिल होने की अलग से जांच की जा रही है। उन्हें कानून के अनुसार सभी वैध अधिकार दिए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फैज हमीद को इस साल अगस्त में पाकिस्तानी सेना ने गिरफ्तार किया था। हमीद के खिलाफ कानूनी कार्रवाई से इमरान खान और उनकी पार्टी की मुश्किलें बढ़ सकती है। 9 मई के कई मामलों को अब पाकिस्तान सेना के आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत सैन्य अदालतों में सुनवाई के लिए लाया जा सकता है।

पड़ोस में एक साथ दो मोर्चों पर जुटा चीन, ताइवान के बाद जापान के पास भेजे 90 नौसैनिक पोत

एजेंसी

ताइपे। चीन ने ताइवान के साथ-साथ दक्षिण चीन सागर में भी अपनी ताकत का प्रदर्शन जारी रखा है। ताजा घटनाक्रम में उसने क्षेत्र के पास ही जापान के अधिकार वाले एक द्वीप के करीब 90 नौसैनिक और कोस्ट गार्ड्स से जुड़े पोत भेजे दिए हैं। ताइवान के रक्षा अधिकारियों के मुताबिक, बीते तीन दशकों में यह चीन की तरफ से सबसे बड़ी तैनाती है। ताइवान के अधिकारियों का कहना है कि चीन का यह कदम जापान के करीब सैन्य अभ्यास की तरह है। हालांकि, चीन ने अब तक इस बात की पुष्टि नहीं की है कि वह क्षेत्र में युद्धाभ्यास कर रहा है या नहीं।

ताइवान के रक्षा मामलों से जुड़ी प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए एक अधिकारी ने कहा, ÷बीजिंग के अभियान न सिर्फ ताइपे को निशाना बना रहे हैं, बल्कि वह क्षेत्र में मौजूद देशों को भी अपनी क्षमता दिखाने की कोशिश हैं। खासकर जापान और फिलीपींस को, ताकि वह ताइवान की रक्षा के लिए आगे न आ पाएं। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सुन ली-फैंग ने कहा, चीन की ओर से मौजूदा समय

में नौसैन्य तैनाती उसके बीते चार युद्धाभ्यासों से ज्यादा है। उन्होंने कहा, ताइवान के आसपास के क्षेत्रों में आवाजाही रोकने के साथ ही चीन पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में दो दीवारें बना रहा है। वह ताइवान के हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र के पूर्वी छोर और प्रशांत महासागर में एक और जगह बड़ी संख्या में पोतों को तैनात कर रहा है।उन्होंने आगे कहा, इन दो दीवारों के जरिए चीन साफ संदेश दे रहा है÷ ताइवान जलडमरूमध्य हमारा क्षेत्र है और इसके आसपास के मुद्दे चीन की सेना- पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और देश की सरकार संभालेगी। गौरतलब है कि ताइवान अपने आसपास चीनी युद्धाभ्यास के मद्देनजर टकराव की स्थिति के लिए तैयारियां कर रहा है। पिछले महीने ताइवान के राष्ट्रपति लाइ चिंग-ते के प्रशांत क्षेत्र में दौरे के बाद से ही चीन भड़का हुआ है। ताइवानी राष्ट्रपति का यह विदेश दौरा अमेरिका के गुआम क्षेत्र और हवाई तक था।

मार्शल लॉ को लेकर राष्ट्रपति के कार्यालय पर छापेमारी, पूर्व रक्षा मंत्री ने की जान देने की कोशिश

एजेंसी

दक्षिण कोरिया। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक योल के कार्यालय पर बुधवार को पुलिस ने छापा मारा। छापेमारी देश में मार्शल लॉ लागू करने के मामले की जांच के तहत की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, सियोल मेट्रोपॉलिटन पुलिस और नेशनल असेंबली पुलिस गार्ड्स के कार्यालयों पर भी छापे मारे गए हैं। इस बीच खबर है कि दक्षिण कोरिया के पूर्व रक्षा मंत्री किम योंग ह्यून ने आत्महत्या का प्रयास किया। गनीमत रही कि उन्हें बचा लिया गया और अब उनकी हालत स्थिर है।

इससे पहले मार्शल लॉ को लागू करने वाले अधिकारियों पर गाज गिरनी जारी है। इसके तहत दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी के आयुक्त जनरल चो जी हो और पुलिस अफसर किम बॉन्ग सिक पर भी कार्रवाई की गई है। दोनों को सोल के नैमदेमुन पुलिस स्टेशन में हिरासत में रखा गया है। पुलिस के दोनों उच्चाधिकारियों के खिलाफ राजधानी सोल में स्थित संसद के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात करने का आरोप है, जिसे सांसदों को अंदर घुसने से रोकने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। तब सांसदों का से संसद में घुसे। इस पूरे घटनाक्रम के बाद राष्ट्रपति यून ने अपने रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था। बाद में उन्हें मार्शल लॉ के फैसले में उनकी भूमिका के लिए गिरफ्तार कर लिया

एक बड़ा समूह राष्ट्रपति यून की तरफ से लगाए गए मार्शल लॉ को हटाने के लिए संसद में वोटिंग करना चाहते थे। हालांकि, पुलिसबल की तैनाती की वजह से उन्हें मुख्य दरवाजे से एंट्री नहीं मिली थी। बाद में सांसद खिड़कियों और अन्य रास्तों गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, किम योंग-ह्यून पर यात्रा प्रतिबंध भी लगा दिया गया है और मामले की जांच चल रही है। वहीं रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को तीन वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को भी निलंबित कर दिया, जो इस ऑपरेशन में शामिल थे।

अमेरिकी दबाव के बाद नेपाल ने सार्वजनिक किया बीआरआई संबंधी समझौता दस्तावेज

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने बेल्ट एंड रोड सहयोग के लिए फ्रेमवर्क का दस्तावेज जारी किया है, जिस पर पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की आधिकारिक चीन यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे। कल ही अमेरिका के सहायक मंत्री डोनाल्ड लू ने नेपाल-चीन के बीच हुए समझौते को सार्वजनिक करने की मांग की थी।

दोनों देशों के विदेश सचिवों ने 4 दिसंबर को बीजिंग में बीआरआई के फ्रेमवर्क दस्तावेज पर हस्ताक्षर किया था। चीन ने नेपाल द्वारा भेजे गए मसौदे से अनुदान शब्द हटाने के बाद 3 दिसंबर को ढांचे पर हस्ताक्षर नहीं हो पाया। नेपाल ने 29 नवंबर को एक मसौदा भेजा था जिसमें प्रस्ताव दिया गया था कि चीन नेपाल सरकार द्वारा आगे बढ़ने वाली परियोजनाओं पर अनुदान निवेश

प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने पहले बीआरआई सहयोग पर ढांचे के मसौदे को मंजूरी दी थी जिसमें कहा गया था कि नेपाल केवल चीनी अनुदान स्वीकार करेगा। लेकिन आज सार्वजनिक किए गए समझौते में कहीं भी सिर्फ अनुदान का उल्लेख नहीं है।

नेपाल ने 2017 में बीआरआई पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। उसके बाद बीआरआई कार्यान्वयन योजना पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद थी लेकिन यह लंबे समय तक नहीं हुआ। उस समय चीन के साथ हुए एमओयू को अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया। सरकार इस दस्तावेज को भी एक हफ्ते तक सार्वजनिक नहीं किया था। नेपाल दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्रालय के दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के प्रभारी डोनाल्ड लू ने सार्वजनिक रूप से चीन के साथ हुए समझौते का दस्तावेज सार्वजनिक करने की मांग की थी।

पीएम ओली की चीन यात्रा को अंतिम रूप देने के बाद बीआरआई कार्यान्वयन योजना के तौर-तरीके पर चर्चा करने के लिए एक कार्यदल का गठन किया गया था। इस कार्यदल में प्रधानमंत्री के मुख्य सलाहकार बिष्णु रिमल, आर्थिक और विकास सलाहकार युवराज खतीवड़ा, कांग्रेस के महासचिव गगन थापा और अधिवक्ता सेमंत दहल शामिल थे।

जापान में माउंट फूजी पर आरोहण हो सकता है महंगा

एजेंसी

टोक्यो। अगले साल की गर्मियों से जापान की माउंट फूजी की चढ़ाई करना महंगा हो सकता है। साथ ही कुछ नए प्रतिबंध भी लागू हो सकते हैं। समुद्र तट से 3776 मीटर की ऊंचाई पर स्थित माउंट फूजी जापान की सबसे ऊंची चोटी है।

यह पर्वत 2013 से यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट की सूची में शामिल है। यह चोटी लगभग एक लाख साल पहले शुरू हुई ज्वालामुखी गतिविधि का परिणाम है। आज माउंट फूजी और आसपास का क्षेत्र लंबी पैदल यात्रा और कैंपिंग के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। जापान टुडे समाचार पत्र के अनुसार, माउंट फूजी की चोटी तक पहुंचने के लिए मुख्यतः चार पैदल मार्ग तय किए जाते हैं। टोक्यो से सबसे लोकप्रिय आसान मार्ग योशिदा ट्रेल है। यह यामानाशी प्रांत से शुरू होता है। अन्य तीन मार्ग, सुबाशिरी, गोटेम्बा और फुजिनोमिया ट्रेल्स हैं। यह सभी शिजुओका से शुरू होते हैं। यामानाशी प्रांत के बाद शिजुओका ने भी पैदल मार्ग पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव किया है। कुछ समय तक योशिदा ट्रेल के लिए 1,000 येन देने पड़ते थे। हालांकि यह स्वैच्छिक था। पिछले साल मई में यामानाशी ने योशिदा ट्रेल का उपयोग करने वाले प्रति व्यक्ति के लिए 2,000 येन शुल्क अनिवार्य कर दिया था। पिछले महीने फुजिसन वर्ल्ड कल्चरल हेरिटेज काउंसिल की बैठक में चारों पैदल मार्गों के प्रवेश नियमों को मानकीकृत करने के लिए एक रूपरेखा तैयार की गई। इसके लिए पगडंडियों को छोड़कर अन्य मार्ग के लिए 3,000, 4,000 और 5,000 येन शुल्क रखने का प्रस्ताव किया गया। परिषद ने पगडंडियों से चोटी पर चढ़ने के लिए प्रति व्यक्ति 4,000 येन पर समझौता किया।

यामानाशी प्रांत ने शाम चार बजे से सुबह तीन बजे के बीच ट्रेल्स में प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। अधिकारियों ने कहा कि यह निर्णय बुलेट क्लाइंबिंग को हतोत्साहित करने के लिए किया गया। प्रस्ताव को प्रांतीय असेंबली की बैठक में आधिकारिक तौर पर फरवरी में प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है। यदि मंजूरी मिल जाती है तो यह 2025 की गर्मियों से प्रभावी हो जाएगा।

मोहम्मद अल-बशीर बने सीरिया के अंतरिम प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। सीरिया में विद्रोही आतंकियों ने देश में तख्तापलट कर दिया है। सीरिया से राष्ट्रपति बशर अल-असद को हटाने के कुछ दिनों बाद सीरियाई विद्रोही समूह हयात तहरीर अल-शम (एचटीएस) ने देश में अंतरिम सरकार की घोषणा कर दी है। विद्रोही समूह ने मोहम्मद अल-बशीर को संक्रमणकालीन सरकार का

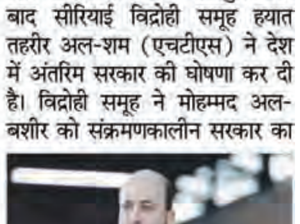

प्रमुख नामित किया है। सीरिया का अंतरिम प्रधानमंत्री बनने के बाद मोहम्मद अल-बशीर ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में संक्रमण सरकार का नेतृत्व करते हुए 01 मार्च 2025 तक पद पर बने रहने की बात कही है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नए प्रधानमंत्री परिवर्तन का प्रबंधन करने और देश को अराजकता में जाने से रोकने के लिए अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। अल-बशीर हयात तहरीर अल-शम के पॉलिटिकल चीफ भी हैं। दूसरी ओर, विद्रोह की घटनाओं के बाद सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद जान बचाने के लिए रूस भाग गए हैं। वहीं सीरिया में तख्तापलट के बाद प्रधानमंत्री मोहम्मद गाजी अल-जलाली ने पावर ट्रांसफर करने की बात कहते हुए नई सरकार का पूरा समर्थन करने पर सहमति जताई है।

सीरिया में अराजक और अस्थिर हालात, 16 मिलियन से अधिक लोगों को मदद की जरुरत : संयुक्त राष्ट्र

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कार्यकर्ताओं ने सीरिया में स्थिति को अराजक और अस्थिर बताया और कहा कि देश में 16 मिलियन से अधिक लोगों को मदद की जरुरत है।मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने सोमवार को कहा कि 28 नवंबर से 8 दिसंबर तक अकेले पश्चिम और उत्तर-पश्चिम में 10 लाख लोग अपने घरों से विस्थापित हुए हैं।कार्यालय ने कहा कि हाल ही में विस्थापित हुए लोगों में मुख्य रूप से अलेप्पो, हामा, होम्स और इदलिब प्रांतों से महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। स्थिति बहुत अस्थिर है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार रास्ते ब्लॉक हो गए हैं, जिससे लोगों, सामान और मानवीय सहायता की आवाजाही सीमित हो गई है।ओसीएचए के अनुसार, नागरिक संपत्तियों और कारखानों के साथ-साथ मानवीय आपूर्ति रखने वाले गोदामों की लूटपाट की कुछ खबरें मिली हैं।

कार्यालय ने कहा, चुनौतियों और अस्थिर स्थिति के बावजूद, हम और हमारे साझेदारों ने आपातकालीन मदद प्रदान करना जारी रखा है। कार्यालय ने कहा कि उत्तर-पश्चिमी सीरिया में, इदलिब और उत्तरी अलेप्पो में सभी मानवीय संगठनों ने नियमित संचालन फिर से शुरू कर दिया है और सीरिया में सहायता पहुंचाने के

लिए तुर्की की तरफ से तीन बॉर्डर क्रॉसिंग खुले हैं। ओसीएचए ने कहा, उत्तर-पूर्व में, हम हाल ही में अलेप्पो से भागे लोगों के लिए आपूर्ति प्रदान कर रहे हैं। अलेप्पो में, भोजन, स्वास्थ्य और पोषण सेवाओं सहित बुनियादी सहायता प्रदान की जा रही है।÷ हालांकि, कार्यालय ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति गंभीर हैं, कर्मचारियों, दवाओं और आपूर्ति की कमी के कारण प्रमुख अस्पताल सीमित क्षमता पर काम कर रहे हैं।ओसीएचए ने कहा, हमारे स्वास्थ्य साझेदार प्रभावित क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करना जारी रखे हुए हैं, जिसमें ट्रॉमा केयर किट प्रदान करना भी शामिल है। उन्होंने रक्का, तबका और अल-हसाकेह में रिसेप्शन केंद्रों और स्कूलों में मेडिकल यूनिट्स भी तैनात की हैं। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) ने होम्स में मोबाइल टीमें तैनात कीं और स्थायी क्लीनिक स्थापित किए। उत्तर-पश्चिमी सीरिया में, सभी 24 स्वास्थ्य सुविधाओं ने हाल ही में अपनी सेवाएं फिर से शुरू कर दी हैं, हालांकि अन्य अभी भी बंद हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) फिलिपो ग्रांडी ने एक बयान में कहा, ÷सीरिया शांति और युद्ध, स्थिरता और अराजकता, पुनर्निर्माण या और अधिक बर्बादी के बीच एक चौराहे पर खड़ा है।

विंटर में रहें ड्राई आई से एलर्ट

सर्दी का मौसम हर लिहाज से अच्छा माना जाता है, फिर चाहे वह स्वास्थ्य के लिहाज से हो या फिर फैशन के लिहाज से। जहां आप बिना डरे हर तरह का खाना खाने से खुद को रोक नहीं पाते, वहीं फैशन करने में भी यह मौसम आड़े नहीं आता, लेकिन कुछ ऐसी समस्याएं हैं, जो इस मौसम में परेशान कर सकती हैं और वह है आंखो में सूखेपन की समस्या यानी ड्राई आई की प्रॉब्लम। जी हां, ड्राई आई का मतलब वैसी आंख से है, जब आंख में स्थित आंसू ग्रंथियां पर्याप्त आंसू का निर्माण नहीं कर पाती। यह समस्या सर्दी के मौसम में ज्यादा होती है। यह बीमारी कनेक्टिव टिशू के डिसआर्डर होने से होती है। यह समस्या अधिक होने की स्थिति में आंख की सतह को नुकसान पहुंचा सकती है और जिसके परिणामस्वरूप अंधेपन की समस्या भी हो सकती है। इस समस्या से ग्रसित व्यक्ति में कई तरह के लक्षण दिखाई पड़ते हैं।

लक्षण

आंखों में सूखेपन जैसा महसूस होना, आंखों में खुजली एवं जलन का एहसास, हर वक्त आंखों को मलते रहना, ऐसा महसूस होना कि जैसे की आंखों में कंकड़ घुस गया हो, आंखों से बिना कारण पानी का निकलते रहना, बिना कारण आंखों का थक जाना या सूजन के फलस्वरूप सिकुड़कर छोटा हो जाना।

कारण

मौसम के अलावा आंखों के ड्राई होने के और भी कई कारण हो सकते हैं। विटामिन सी की कमी के कारण, महिलाओं में मेनोपॉज के बाद, कुछ दवाओं जैसे सल्फा ग्रुप इत्यादि के एलर्जी रीएक्शन के कारण, एलर्जी की समस्या से ग्रसित होने पर कुछ बीमारी जैसे की थॉयरायड जैसी समस्या होने पर, लंबे समय तक बिना पलक झपकाएं कंप्यूटर पर काम करते रहने से अधिक देर तक टीवी देखने से व उच्च स्तर के प्रदूषण के कारण।

समाधान

ड्राई आई की बढ़ती समस्याओं को देखते हुए उपचार के तौर पर अभी तक केवल आंखों में चिकनाई उत्पन्न करने वाला ड्राप बना है, लेकिन इस दिशा में और भी कुछ नए संभावित विकल्प के तौर पर उभर कर सामने आएं हैं। अब साइकलो स्पोरिन ड्राप जो कि रोगी के इमेन्यू सिस्टम के साथ काम करते हैं। रोगियों में कनेक्टिव-टिशू डिसआर्डर होने पर उनको वायरायड पैबौलॉजी करनी चाहिए। यह 40- 50 प्रतिशत मामलों में मददगार हो रहा है। यह आंखों में चिकनाई लाने वाली आई ड्राप्स की आवश्यकता को कम करता है। दूसरा विकल्प पंकटल प्लग का है। यह काफी छोटी प्लग होती है, जो आंसू के श्राव को बंद कर देती है। यह मुलायम सिमीकन की बनी होती है तथा इसे आसानी से लगाया जा सकता है। यह आंसूओं को रोकने में मदद करती है, जिससे की आंखों में नमी बरकरार रहें। इसके अलावा इस समस्या से ग्रसित लोगों को निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए। आंखों को डायरेक्ट हवा के संपर्क में न आने दें। इससे बचने के लिए चश्मे का इस्तेमाल करें। कंप्यूटर पर काम करने के दौरान बीच-बीच में पलक झपकाना नहीं भूलें। यदि कॉन्टेक्ट लेंस का इस्तेमाल कर रहे हैं तो एक बार अपनी आंखों के डॉक्टर के पास जाएं। हेयर ड्रायर, कार हिटर, एसी ब्लोअर और पंखे से आंख को दूर रखें। धूप में जाने से पहले आंखों को कवर करना न भूलें। सर्दी के मौसम में कमरे को गर्म रखने वाले उपकरणों से आंखों को बचाएं। इसके लिए हीटर के पास एक मग पानी रख दें, ताकि रूम में नमी बनी रहें। कुछ लोग विशेष प्रकार के डिजायन किए गए ग्लास का उपयोग करते है। यह आंखों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। आंखों में जलन या खुजली महसूस होने पर इसे रगड़ने के बजाए आंखों पर ठंडे पानी से छींटे मारे।

■ डॉ. प्रतीप व्यास

सुबह-सुबह करें ये 4 काम नहीं बढ़ेगा बेली फैट

आप वजन कम करने की सोच रहे हैं तो सुबह कुछ बातों का ध्यान रखें। खास कर अगर आप बेली फैट कम करने की सोच रहे हैं तो आपको सुबह-सुबह हेल्दी खाना खाने के साथ एक्सरसाइज पर भी ध्यान देना होगा। सर्दियों की तुलना में गर्मियों में वजन कम करना अधिक आसान है, क्योंकि इस मौसम में अधिक व्यायाम किया जा सकता है। इसके अलावा आप इस मौसम में पानी और फल जैसे तरबूज और खरबूज लेते हैं, जो वजन कम करने में मदद करते हैं। यहां हम आपको बता रहे हैं, ये टिप्स जिनका आपको सुबह के समय ध्यान रखना चाहिए:

1. सुबह एक्सरसाइज करने से कैलोरी बर्न करने में बहुत मदद मिलती है। इसलिए सुबह उठकर व्यायाम जरूर करना चाहिए।

2. सुबह-सुबह उठकर पानी पीने से वजन कम करने में मदद तो मिलती है साथ ही हेल्दी भी रहते हैं।

3. ब्रेकफास्ट में प्रोसेस फूड का इस्तेमाल न करें। इसके अलावा प्रीजर्वेटिव और शुगर से संबंधित चीजें भी ब्रेकफास्ट में नहीं लेनी चाहिए।

4. किसी भी स्थिति में सुबह का ब्रेकफास्ट नहीं छोड़ना चाहिए। एक्सपर्ट की मानें तो इससे आपके शरीर का फैट बर्निंग प्रोसेस कम हो जाता है।

प्याज का सूप

सामग्री

- 4 प्याज
- बटर: 2 चम्मच
- 1 गाजर
- पानी: 1 लीटर
- अजवायन: 2 चम्मच
- 2 लहसुन
- 2 आलू
- वेजिटेबल (अपनी पसंद के अनुसार): 1 कप
- नमक: स्वाद के अनुसार
- शक्कर: स्वाद के अनुसार
- काली मिर्च: स्वाद के अनुसार

विधि

प्याज, लहसुन, आलू और गाजर को छोटे- छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद मध्यम आंच पर पैन में बटर गर्म कर लें। जब बटर मेल्ट हो जाए तो उसमें प्याज और लहसुन के टुकड़े डाल दें। हल्का ब्राउन होने तक भूनें। इसके बाद मीडियम फ्लेम पर पानी गर्म करें। इसके बाद उसमें अजवायन और बाकी की सब्जियां डाल दें। साथ में शक्कर, नमक और काली मिर्च डालकर अच्छे से चलाएं। इसके बाद इसे 2 से 3 मिनट तक अच्छे से मिलने दें। जब यह उबलने लगे तो इसमें प्याज और लहसुन का पहले से तैयार किया हुआ मिक्सचर डाल दें। अब पैन में आलू और गाजर के टुकड़े डालें। इसके बाद मध्यम आंच पर 15 मिनट तक इसे पकाएं। जब यह पक जाए तो इसकी प्यूरी तैयार कर लें। अब दूसरे पैन में इस प्यूरी को डालकर 5 मिनट तक चलाएं। अब गर्मागर्म सर्व करें।

नूरी गोभी

सामग्री

■ गोभी: 1 किलो ■ नमक: स्वादानुसार ■ तेल: 150 मिली ■ तेजपत्ता: 6 ■ हरी इलायची: 6 ■ विनिगर: 2 चम्मच ■ जावित्री पाउडर: 1/ 2 चम्मच ■ नीबू का रस: 2 चम्मच ■ अदरक-लहसुन पेस्ट: 2 चम्मच ■ कटा हुआ प्याज: 4 ■ कटा हुआ टमाटर: 3 ■ हल्दी पाउडर: 1 चम्मच ■ लाल मिर्च पाउडर: स्वादानुसार ■ पानी: आवश्यकतानुसार ■ गरम मसाला पाउडर: 2 चम्मच ■ हरी मिर्च: 5 ■ कटी हुई धनिया पती: 4 चम्मच ■ कटा हुआ लहसुन: 4 चम्मच ■ भुना हुआ काजू: 150 ग्राम

विधि

गोभी को धोकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें कटा हुआ लहसुन और प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अदरक और लहसुन का पेस्ट और गोभी कढ़ाई में डालें और कढ़ाई को ढक दें। लगभग 10 मिनट बाद कढ़ाई में विनिगर, नीबू का रस और सभी पाउडर मसाला डाल दें। कुछ देर तक धीमी आंच पर पकाएं। भुने हुए काजू और धनिया पती से सजा कर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 2674

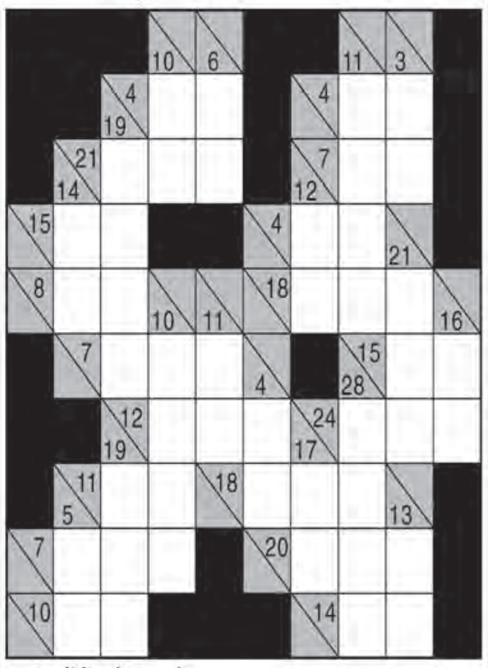

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

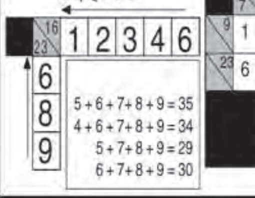

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2673 का हल

हंसी के फूव्वारें

तुम्हारे घर में किसका शासन चलता है ?

अपनी जगह सभी शासन करते हैं.

वह कैसे ?

मेरी पत्नी बच्चों पर शासन करती है, बच्चे नौकरों को डांटते रहते हैं और मैं कुत्ते-बिल्लयों को झिड़कता रहता हूँ.

□ □ □

मोहन तुम आजकल स्कूल में कैसे चल रहे हो ?

मोहन बोला- वाह पापाजी, मैं कभी आपसे आपके ऑफिस के बारे में बात करता हूँ ?

□ □ □

थका हुआ पति: आज शाम का घूमना तो रद्द करो.

पत्नी: आप तो सवेरे से ही कह रहे थे मैं तो तभी से मेकअप कर रही थी अब पूरा हुआ तो आप मना करने लगे.

□ □ □

दस साल के एक लड़के का दांत निकालने के बाद डॉक्टर ने उसके बाप से कहा-लाओ पांच रुपये.

पांच रुपये ? मगर आपने तो पहले कहा था कि आप दांत उखाड़ने का एक रुपया लेते हैं.

ठीक है, मगर आपके लड़के की चिल्लाहट सुनकर दांत उखड़वाने के लिए आये हुए मेरे चार रोगी भी तो चले गये.

फिल्म वर्ग पहेली- 2674

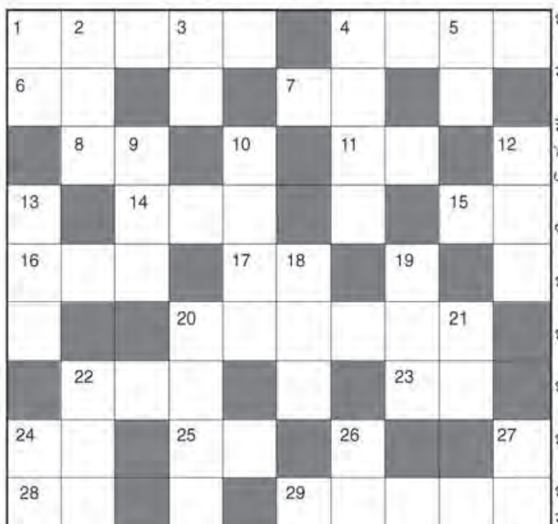

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टारर फिल्म-२,१,१
६. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-२
७. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
८. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-२
१४. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
१७. संजय कपूर, रवीना, अदिति की 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रमैया की फिल्म-४,२
२२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-२
२४. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'हुस्ने जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-२
२८. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-२,१,२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आआ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-२
२. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-३
३. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
४. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-४
५. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
९. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-३
१०. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१३. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-३
१९. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका ?-३
२०. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-४
२१. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
२४. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-३
२६. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२७. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2673

सूडोकु -2674

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2673 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 2674

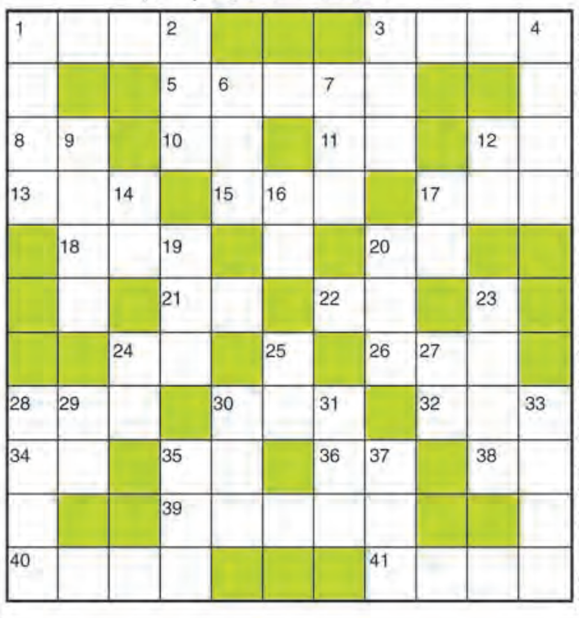

बाएँ से दाएँ

1.पक्षियों का शोर-4
3.मुठभेड़,भिड़ंत-4
5.क्रोधित होवा-5
8.लाश,पार्थिव देह-2
10.नवीन-2
11.सरिता-2
12.संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13.दोजख,नर्क-3
15.नमकीन लवण-3
17.बेकार-3
18.आंचल-3
20.फायदा,लाभ-2
21.चिट्ठी,पत्र-2
22.जी,चित-2
24.संपूर्ण-2
26.कुचलना,दबाना-3
28.दाड़म,एक फल-3
30.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32.खिचड़ी,पुलाव-3
34.मां,आई-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.सौतन-2
38.लीन-2
39.चमकीला-5
40.नसीब,किस्मत-4
41.चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1.दलाली-4
2.स्वदेश,जन्मभूमि-3
3.दौंडी पीटना-3
4.बेमिसाल-4
6.इसमें तलवार रखते हैं-3
7.मापदंड,आदर्श-3
9.इच्छित वस्तु-4
12.जीरक,कणिका-2
14.थोड़ा,जरा-2
16.आनंद-2
17.क्रोधित,रुष्ट-2
19.अदा-3
20.पति की बहन-3
23.मन को हरने वाला-4
24.निष्कर्ष-2
25.उम्मीद-2
27.वोट,अभिमत-2
28.धरोहर,थाती-4
29.रिश्ता-2
30.नकद राशि,रोकड़-3
31.संधिपत्र,मसविदा-3
33.रीति अनुसार-4
35.अदृढ,तर्कहीन-3
37.द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -2673 का हल

मुख्यमंत्री ने बस्ती में कर्मा देवी समूह के 15वें स्थापना दिवस समारोह में की शिरकत

सीएम ने ओमनी हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर का किया शिलान्यास

बस्ती

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह भूमि भगवान राम के जन्म के हेतु का कारण है। प्रभु श्रीराम ने प्रेरणा दी कि व्यक्ति कितना भी बड़ा और यश-धनधान्य से परिपूर्ण न हो जाए, वह तब तक अधूरा है, जब तक मां और मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित न कर ले। मां की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखते और मातृभूमि के प्रति कर्तव्य निभाते हुए गरीब छात्र भी अच्छी व आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर सके, इसके लिए दोनों भाइयों ने मां के नाम पर कर्मा देवी समूह और पिता के नाम पर फॉमेर्सी कॉलेज स्थापित किया। उनका उद्देश्य था कि इसके जरिए हजारों बच्चे कर्मपथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्राप्त करते हुए सम्मान के साथ स्वावलंबन का जीवनयापन करें। एक व्यक्ति का स्वावलंबन समाज व राष्ट्र का स्वावलंबन होता है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को कर्मा देवी समूह के 15वें स्थापना दिवस समारोह में शिरकत की।

सीएम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों व शिक्षकों को सम्मानित किया। सीएम ने ओमनी हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर का बटन दबाकर शिलान्यास किया। सीएम ने सरोज सिंह व देवमंगल सिंह को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि सरोज सिंह जब मंदिर आती थी, तब कहती थीं कि एक दिन आप मुख्यमंत्री बनेंगे। सीएम योगी ने कहा कि व्यक्ति पर पांच ऋण होते हैं। मां, पिता, गुरु, मातृभूमि व देवगणों के लिए जो कुछ भी कर पाएंगे, उनकी स्मृतियों व आदर्शों को जीवन में जिस हद तक अंगीकार करने का प्रयास कर पाएंगे, यही उद्धण होने का माध्यम होता है। ओएन सिंह व देवमंगल सिंह का प्रारंभिक जीवन संघर्षों से भरा था। जब पूर्वी उप्र संसाधन के अभाव में जूझ रहा था, सड़क, बिजली, शुद्ध पेयजल, शिक्षण संस्थान, रोजगार के साधन नहीं थे, उन स्थितियों में अपनी शिक्षा को अनवरत बनाए रखना मां की साधना के बिना संभव नहीं था। 1981 में देवमंगल सिंह (अब स्मृतिशेष) आईएफएस बने व 1983 में ओएन सिंह उप्र पब्लिक सर्विस कमीशन की परीक्षा में उत्तीर्ण होकर अधिकारी बने। सीएम ने कहा कि जो निर्णय 50 वर्ष पहले होना चाहिए था, उसे 50 वर्ष पीछे करके यहां के युवाओं को पलायन के लिए मजबूर किया, तत्कालीन सरकारों ने उनकी प्रतिभा को कुंद किया। सरकारें यहां की समृद्धि में बाधक रहीं। यदि 50 वर्ष पहले नर्सिंग, फॉमेर्सी, लॉ कॉलेज, बीसीए इंस्टीट्यूट, सीबीएसई बोर्ड के अच्छे विद्यालय स्थापित होते, निजी क्षेत्र में हॉस्पिटल व ट्रॉमा सेंटर बनते तो यहां का युवा भी देश के अंदर प्रत्येक क्षेत्र में छा जाता। जिन माता-पिता ने प्रयास किया, उनके बच्चे बढ़ गए। जिनके पास साधन नहीं थे, उनके बच्चे पिछड़ गए। नर्सिंग का क्षेत्र ऐसा है, जहां अच्छी शिक्षा दे दी जाए तो प्लेसमेंट की गारंटी सौ फीसदी है। भारत के नर्सिंग-पैरामेडिक्स की मांग पूरी दुनिया में है। समारोह में कर्मा देवी समूह के संस्थापक व यूपी अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष ओम नारायण सिंह, प्रबंधक नीता सिंह, गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, हरैया विधायक अजय सिंह, पूर्व विधायक रवि सोनकर, दयाराम चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, ट्रस्टी डॉ. स्मृति सिंह, अंशु सिंह, यजुवेंद्र विक्रम सिंह, सृष्टि सिंह, अमित सिंह आदि उपस्थित रहे।

दलित बुजुर्ग के हत्यारों तक पहुंचने में नाकाम नवाबगंज पुलिस

48 घंटा बीतने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली

प्रयागराज । नवाबगंज थाना क्षेत्र के मलाक बलऊ गांव निवासी राकेश कुमार उर्फ लहुरी की हत्या से बुधवार को भी पर्दा नहीं हट सका 48 घंटा बीतने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली है पुलिस अपराधियो को पकड़ने मे नाकाम साबित हो रही है । नवाबगंज थाना क्षेत्र के मलाक बलऊ गांव निवासी राकेश कुमार उर्फ लहुरी 44 उम्र वर्ष की रविवार को सिर कुच कर हत्या कर दी गई सुबह पास के एक कोल्डस्टोर के पीछे नाली से उसका रक्त रंजित शव बरामद हुआ था मृतक के भतीजे अंकित कुमार कुमार के तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही हत्या के 48 घंटा बीतने के बाद भी आरोपी पुलिस के पकड़ से दूर है । वही परिजनो ने नवाबगंज थानाध्यक्ष पर लापरवाही का आरोप लगाते हुये बताया की आरोपियों द्वारा कई बार घर पर चड़कर मारपीट किया गया जिसकी लिखित सिकायत नवाबगंज थाना मे किया था किन्तु नवाबगंज पुलिस ने आरोपियों से मिली भगत कर पीड़ितो को फटकार कर भागा दिया जिसे हौसला बुलंद अपराधियो ने हत्या को अंजाम दे दिया

थानाध्यक्ष की लापरवाही से बुजुर्ग को गवानी पड़ी जान

नवाबगंज मे दलित बुजुर्ग की हत्या मे थानाध्यक्ष की लापरवाही माना जा रहा है मृतक के भतीजे अंकित कुमार का आरोप है आरोपी और उसके बेटे पहले ही हत्या करने की धमकी दिये थे थाना मे सिकायत के बाद थाना अध्यक्ष ने पीड़ितो को डाट कर भागा दिया था यदि पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया होता तो हत्या नहीं होती।

शांति भंग में एक युवक का हुआ चालान

राम सिंह यादव
सबसे तेज प्रयागराज

हंडिया। पुलिस आयुक्त प्रयागराज व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रयागराज के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त गंगानगर, अपर पुलिस उपायुक्त अपराध व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया प्रयागराज के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक हण्डिया बृजकिशोर गौतम के निर्देशन मे थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा बुधवार को शान्ति/कानून व्यवस्था भंग करने के दृष्टिगत 01 व्यक्ति का अन्तर्गत धारा 170/126/135 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में चालान कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार व्यक्तियो का विवरण

शीतला प्रसाद यादव पुत्र स्वा) देवनारायण यादव निवासी उष्मापुर थाना हण्डिया प्रयागराज ।

फुट पेट्रोलिंग कर पुलिस ने दिलाया सुरक्षा का अहसास

धीरज सोनी
सबसे तेज प्रयागराज

लालगोपालगंज प्रयागराज । स्थानीय कस्बे में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस ने बुधवार को पैदल गश्त की। चौकी प्रभारी शरद सिंह ने फोर्स के साथ गस्त कर कस्बे के लोगो को सुरक्षा का भरोसा जताया शांति एवं कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए अधिकारियों के निर्देश पर बुधवार को स्थानीय पुलिस ने पैदल गश्त किया इस दौरान पुलिस ने व्यापारियो दुकानदारो से वार्ता कर कहा की किसी भी अज्ञात वाहन और संदिग्ध व्यक्ति के दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचना दे ।

पांच लोगों को मिलेगा 'गुफ्तगू अवार्ड'

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। साहित्यिक संस्था गुफ्तगू की तरफ से प्रत्येक वर्ष दिए जाने वाले अवार्ड में इस वर्ष से ह्यगुफ्तगू अवार्ड भी शामिल किया गया है। इस बार यह अवार्ड निहाल चंद्र शिवहरे (झांसी), शिवनंदन सिंह सहयोगी (वाराणसी), डॉ. इम्तियाज समर (कुशीनगर), मधुकर वनमाली (मुजफ्फरपुर) और सम्पदा मिश्रा (प्रयागराज) को दिया जाएगा। ल गुफ्तगू के अध्यक्ष डॉ. इम्तियाज अहमद गाजी ने बताया कि इस वर्ष सम्मान समारोह का आयोजन 17 दिसंबर को होगा। गुफ्तगू अवार्ड के अलावा इस बार विभिन्न क्षेत्रो में अकबर इलाहाबादी अवार्ड, सुभद्रा कुमारी चौहान अवार्ड, कैलाश गौतम अवार्ड, कुलदीप नैयर अवार्ड, डॉ. सुधाकर पांडेय अवार्ड, उमेश नारायण शर्मा अवार्ड और मिल्खा सिंह अवार्ड दिया जाएगा। सम्मान समारोह में सम्मानित किए जाने के लिए देशभर के साहित्यकार, खिलाड़ी, पत्रकार और अधिवक्ताओं का चयन पहले ही किया जा चुका है।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:

उपसंपादक: राकेश द्विवेदी

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सहायक संपादक: रिजवान सैफ खान,

सह संपादक: राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

समुद्र मंथन की पौराणिक कथा से सम्बद्ध है प्रयागराज का यह प्रसिद्ध मंदिर

महाकुम्भ नगर,(वतन केसरी)।

तीर्थराज प्रयागराज के पौराणिक मंदिरों में नागवासुकी मंदिर का विशेष स्थान है। सनातन आस्था में नागों या सर्प की पूजा प्राचीन काल की जाती रही है। पुराणों में कई नागों की कथाओं का वर्णन है जिनमें से नागवासुकी को सर्पराज माना जाता है। नागवासुकी अनुसार नागवासुकी सागर को मथने के लिए रस्सी के रूप में प्रयुक्त हुए थे।

गाय के दूध के उत्पादन में भी नंबर वन बनेगा यूपी

लखनऊ

गोवंश का गोरक्षपीठ की परंपरा रही है। गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर की गोशाला इसका प्रमाण है। गोवंश की देशी प्रजातियों के लिहाज से ये गोशाला बेहद समृद्ध है। पीठ की परंपरा के अनुसार गोवंश का संरक्षण मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर के रूप में योगी आदित्यनाथ की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निराश्रित गो वंश का संरक्षण, गो पालकों कई तरह की रियायत और देना इसी की कड़ी है। इसी तरह गोवंश निरोग रहें इसलिए उनका नियमित टीकाकरण, नस्ल सुधार, इसके जरिए उनकी उत्पादकता बढ़ाने काम भी योगी सरकार लगातार कर रही है। गोवंश के संरक्षण और संवर्धन का ये सिलसिला जारी रहा तो आने वाले समय में उत्तर प्रदेश गाय के दूध के मामले में भी देश नंबर वन होगा। अभी यह उपलब्धि राजस्थान के नाम पर दर्ज है। उत्तर प्रदेश का स्थान दूसरा है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में दुधारू गायों की संख्या करीब 0.66 करोड़ है। इनसे कुल 5.29 मिलियन टन दूध प्राप्त होता है। प्राप्त दूध में विदेशी नस्ल की गायों का दूध 1.7 मिलियन टन और मिश्रित एवं देशी नस्ल के दूध की मात्रा 4.2 मिलियन टन है।

चूंकि देशी नस्ल की गाय का दूध विदेशी नस्ल की गायों से गुणवत्ता में बेहतर होता है। इनका विकास भारतीय जलवायु में हजारों वर्ष के अनुकूलन (कंडीशनिंग) के बाद हुआ है। लिहाजा भारतीय परिस्थितियों में इनको पालना आसान है। यही वजह है कि योगी सरकार का फोकस देशी गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन पर ही है।

आने वाले समय में गोरखपुर और भदोही के पशु चिकित्सक महाविद्यालय के बन जाने पर देशी गोवंश के संरक्षण और संवर्द्धन को और बढ़ावा मिलेगा। यहां होने वाले शोध का लाभ उत्तर प्रदेश खासकर पूर्वांचल के दो दर्जन जिलों के पशुपालकों को मिलेगा। इसका लाभ देशी गोवंश की बढ़ी उत्पादकता के रूप में मिलेगा। ऐसे में 16% हिस्सेदारी के साथ दूध के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान रखने वाला उत्तर प्रदेश गायों के दूध के उत्पादन के मामले में भी देश में पहले स्थान पर पहुंच जाएगा। इसी मंशा से मुख्यमंत्री योगी ने पिछले दिनों गोरखपुर में बनने वाले पशु चिकित्सा महाविद्यालय का स्थलीय निरीक्षण कर जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि गोरखपुर पशु चिकित्सा महाविद्यालय को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया जाय। महाविद्यालय में पशुओं के रखने, चारागाह के लिए हो पर्याप्त रिजर्व लैंड हो। और गौ सरोवर भी बनाएं। गोरखपुर के ताल नदोर में पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसी वर्ष 3 मार्च को किया था। 80 एकड़ में क्रमवार तीन चरणों मे बन रहे इस महाविद्यालय के निर्माण पर 350 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आएगी। पहले चरण के निर्माण पर 277 करोड़ 31 लाख रुपये खर्च होंगे।

वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का भी महाकुम्भ में दिखेगा संगम, योगी सरकार की विशिष्ट टीम बनेगी माध्यम

महाकुम्भ नगर

तीर्थराज प्रयागराज की धरती जल्द ही न केवल महाकुम्भ-2025 के रूप में मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का साक्षात्कार करने जा रही है, बल्कि संगमनगरी में 4 वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का भी संगम देखने को मिलेगा। सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रयागराज में सबसे बड़ी सिंक्रोनाइज्ड स्वीपिंग ड्राइव, सबसे बड़ी ई-व्हीकल्स की परेड, 8 घंटे में सबसे ज्यादा हैंडप्रिंट पेंटिंग बनाने व सबसे बड़ी नदी सफाई अभियान के रिकॉर्ड्स की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। यह सभी रिकॉर्ड्स गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मानकों व गाइडलाइंस को ध्यान में रखकर पूरे किए जाएंगे। ऐसे में, इन रिकॉर्ड्स से जुड़ी प्रक्रियाओं को पालन के लिए योगी सरकार व प्रयागराज मेला प्राधिकरण के समन्वय से एक विशिष्ट टीम का गठन जल्द किया जाएगा। यह विशिष्ट टीम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अधिकारियों के साथ संवाद स्थापित करने के साथ ही सभी मानकों की पूर्ति व निगरानी की प्रक्रिया पूरी करेगी।

बेहद खास होंगे चारों वर्ल्ड रिकॉर्ड:

महाकुम्भ-2025 में योगी सरकार 4 वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित करने जा रही है। ये रिकॉर्ड्स कुछ इस तरह हैं...

रिकॉर्ड नंबर-1:

पहला रिकॉर्ड सबसे बड़ी सिंक्रोनाइज्ड स्वीपिंग ड्राइव का होगा। इसके अंतर्गत, 15000 प्रतिभागियों द्वारा एक समन्वित सफाई गतिविधि को पूरा किया जाएगा।

रिकॉर्ड नंबर-2:

दूसरे रिकॉर्ड के तौर पर सबसे बड़ी ई-व्हीकल्स की परेड निकाली जाएगी। महाकुम्भ 2025 के लिए यह रिकॉर्ड 1000 ई-रिक्शा व ई-व्हीकल्स की सामूहिक परेड के जरिए बनाने का प्रयास किया जाएगा।

रिकॉर्ड नंबर-3:

8 घंटे में सबसे ज्यादा हैंडप्रिंट पेंटिंग बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड एक रीअटेंप्ट होगा जिसमें 10,000 प्रतिभागियों के जरिए हाथ के निशान वाली पेंटिंग बनाई जाएगी।

रिकॉर्ड नंबर-4:

सबसे बड़ी नदी सफाई अभियान के अंतर्गत 300 प्रतिभागियों के साथ यह नया रिकॉर्ड कई स्थानों पर नदी सफाई अभियान में स्वयंसेवकों के सबसे बड़े समूह को शामिल करने के एक प्रयास के तौर पर किया जाएगा।

राजस्व वृद्धि पर दें ध्यान, नदी के कैचमेंट एरिया में अवैध खनन बर्दाश्त नहीं: मुख्यमंत्री

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2407.20 करोड़ रुपये राजस्व प्राप्ति हुई है। इसमें और वृद्धि की अपेक्षा है। इसकी बेहतरी के लिए विभागीय व जनपद स्तर के अधिकारी तेजी से प्रयास करें। राजस्व प्राप्ति के लिए जिलाधिकारी व जिला खनन अधिकारी की जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सोनभद्र, बांदा, कौशांबी तथा महोबा में खनन के दृष्टिगत राजस्व वृद्धि की असीम संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री जी ने कम राजस्व प्राप्त करने वाले जनपदों की समीक्षा करते हुए इनमें भी राजस्व बढ़ोतरी के उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन, विभाग व जनपद स्तर पर लंबित आवेदन पत्रों पर शीघ्रता से निर्णय लेकर कार्रवाई बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व बढ़ाने के अन्य उपायों पर भी विचार करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि नदी के कैचमेंट एरिया में किसी भी प्रकार के अवैध खनन की गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तकनीक का उपयोग करते हुए इसे सख्ती से रोका जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि स्वीकृत खनन क्षेत्र के अंदर खनन कर रहे वाहनों पर व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम (वीटीएस) लगाया जाए, जिससे सुनिश्चित किया जा सके कि खनन स्वीकृत क्षेत्र में ही हो रहा है या नहीं। इससे परिवहनकर्ता को भी सहूलियत होगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अन्य राज्यों से प्रदेश में उपखनिज का परिवहन करने वाले वाहनों की वैधता की जांच के लिए उत्तराखंड, हरियाणा, राजस्थान व मध्य प्रदेश से एपीआई इंटीग्रेशन किए गए हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपदों में टास्क फोर्स अवैध खनन को रोकने के लिए समय-समय पर छापेमारी करते रहें। छापेमारी के दौरान विभागीय अधिकारी, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी सुनिश्चित हो। इसकी वीडियोग्राफी भी नियमित कराई जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि विभाग के विभिन्न स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि विभागीय स्तर पर पेंडिंग मामलों का समय से निस्तारण किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि जून से अगस्त के मध्य ही वर्ष भर की कार्ययोजना तैयार की जाए। समय से कार्ययोजना तैयार करने से सरलतापूर्वक कार्य संपन्न होंगे। मुख्यमंत्री जी ने बैठक में उपस्थित परिवहन विभाग के अफसरों को निर्देश दिया कि मार्ग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तेजी से प्रयास करें। सड़कों के किनारे ओवरलोड वाहन कतई न खड़े किए जाएं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कर अपवंचन तथा ओवरलोडिंग रोकने के लिए जनपदों में 55 चेक गेट्स स्थापित किए गए हैं। इन पर शीघ्र ही वे इन मोशन संयंत्र लगाए जाएं। ओवरलोडिंग हर हाल में जीरो पॉइंट पर ही रोका जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत सरकार के खनन मंत्रालय द्वारा स्टेट माइनिंग रेडिनेंश इंडेक्स तैयार किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में विभिन्न विभागों के समन्वय से आवश्यक सूचनाओं की समय से उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नदियों के किनारे मिट्टी-बालू तथा सिल्ट का प्रयोग ईंट बनाने में किया जाए। यह पर्यावरण को बचाने में कारगर होगा। उपजाऊ जमीन की मिट्टी का प्रयोग ईंट भट्ठों में न किया जाए।

'भारतीय भाषा उत्सव-2024': 'भाषाओं के माध्यम से एकता' थीम पर स्कूलों में आयोजित हुआ कार्यक्रम

लखनऊ

योगी आदित्यनाथ सरकार प्रदेश भर के स्कूलों में भारतीय भाषाओं और संस्कृति को संरक्षित करने के साथ-साथ बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करने में जुटी हुई है। इसी कड़ी में 04 से 11 दिसंबर तक 'भारतीय भाषा उत्सव 2024' का आयोजन किया गया। सप्ताहभर चलने वाला यह आयोजन बच्चों को भारतीय भाषाओं की समृद्ध और सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास रहा। 'भाषाओं के माध्यम से एकता' थीम पर आधारित यह उत्सव न केवल बच्चों को राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया, बल्कि उन्हें मातृभाषा और क्षेत्रीय भाषाओं के महत्व का गहन एहसास भी कराया। यह थीम भारत की आत्मा और इसकी भाषाई विविधता के प्रतिबिंब के रूप में बच्चों के मनः स्थिति पर साकारात्मक प्रभाव भी डाला है। आयोजन के माध्यम से बच्चों में भाषाई कौशल, सांस्कृतिक जागरूकता और आत्मविश्वास जैसे गुण विकसित करने की पहल की गई। यह प्रयास उन्हें भारतीय भाषाओं की अनूठी धरोहर से जुड़ने और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करता है।

खोया/पाया

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल वर्ष :
2020 अनुक्रमांक : 1708431
है जिसका अंकपत्र / प्रमाणपत्र वास्तव में खो गया है`
नाम : अशोक कुमार पाण्डेय
पुत्रः नागमणि पाण्डेय
पताः कौडिहार बुदौना अटरामपुर नवाबगंज

एआई, डार्क वेब और सोशल मीडिया स्कैमर्स से बचाएगा महाकुम्भ साइबर थाना

प्रदेश के चुनिंदा एक्सपर्ट्स की टीम पहुंची महाकुम्भनगर, 44 वेबसाइट रडार पर

महाकुम्भ नगर

महाकुम्भ की तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगी योगी आदित्यनाथ सरकार पहली बार इतने व्यापक स्तर पर महाआयोजन का डिजिटलीकरण करने जा रही है। डिजिटलाइजेशन के साथ साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी को रोकने के लिए भी व्यापक तैयारी की जा रही है। इसी क्रम में साइबर सिक्योरिटी प्रदान करने के लिए मेला क्षेत्र में साइबर थाने की शुरूआत की गई है। इसके माध्यम से एआई, डार्क वेब और सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर लोगों को झांसा देना संभव नहीं हो पाएगा। खास बात ये है कि इस बार देश विदेश से इतनी बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए पूरे प्रदेश के चुनिंदा अफसरों की एक स्पेशल टीम बुलाई गई है। यहां प्रदेश के चुनिंदा साइबर एक्सपर्ट्स पहुंच चुके हैं, जो 45 करोड़ श्रद्धालुओं की साइबर सुरक्षा में 24 घंटे तैनात रहेंगे।

महाकुम्भ नगर पहुंची स्पेशल टीम:

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुम्भ 2025 को अब तक का सबसे भव्य और दिव्य आयोजन बनाने के लिए वृहद स्तर पर तैयारी की जा रही है। मेला के दौरान यहां 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है, जिनकी सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री योगी ने अफसरों को विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में एक एक श्रद्धालु की सुरक्षा पर मेले के अधिकारी विशेष ध्यान दे रहे हैं। यही नहीं, उन्हें साइबर सिक्योरिटी प्रदान करने के लिए पूरे प्रदेश के चुनिंदा अफसरों की एक स्पेशल टीम महाकुम्भनगर बुला ली गई है।

44 वेबसाइटों पर नजर:

महाकुम्भनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी बताते हैं कि फेक और डार्क वेबसाइट और सोशल मीडिया के शातिरों से श्रद्धालुओं की हर तरह से हिफाजत करने की योजना तैयार कर ली गई है। इसके लिए पूरे प्रदेश के अनुभवी अफसरों को यहां महाकुम्भनगर में बुलाया गया है। आते ही साइबर सेल के एक्सपर्ट अपनी पोजिशन ले चुके हैं।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी